



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८]

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 19, 1977 (माघ 30, 1898)

No. 8]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1977 (MAGHA 30, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० पी०/1877-प्रशा० —कालीकट क्षेत्रीय हंजीनियरी कालिज, कालीकट में लैंब्वर डा० आर० भास्करन को, जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 19-11-1976 द्वारा 13 अक्टूबर, 1976 के पूर्णात्मा से दो मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर मन्त्रिव के पद पर नियुक्त किया गया था, 12-10-1978 (अपराह्न) तक, प्रथमा आगामी प्रावेशों तक, जो भी पहले हो, अवर मन्त्रिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

(प्र० ना० मुखर्जी), अवर मन्त्रिव, हृते अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 29 दिसम्बर 1976

सं० प्र० 12019/5/74-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी

श्री एम० एस० छाबड़ा को 3-1-1977 से 28-2-1977 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी प्रावेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अन्वेषक के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा कनिष्ठ अन्वेषक के संवर्गबाटा पद पर प्रतिनियुक्त पर कार्य करते रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० प्र० 10(24६-III)/60 दिनांक 4 मई, 1961 में निहित उपबंधों के अनुभार होगा।

दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक अधीक्षक (हास) श्री जगदीश लाल को, 23-12-1976 से 28-2-1977 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी प्रावेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

प्रा० ना० मुखर्जी, अवर सचिव,
हृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० ए० 32014/1/76-प्रश्न० III(1) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 16-12-76 से 30-1-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रश्न० III(2) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री एम० एन० सगामेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 3-1-77 से 28-2-77 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रश्न० III(4) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सरमा को, राष्ट्रपति द्वारा 31-12-76 से 21-2-77 तक 53 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रश्न० III(5) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री आर० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 31-12-76 से 21-2-77 तक 53 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 जनवरी 1977

सं० ए० 32014/1/76-प्रश्न० III— संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री आर० एल० मदान को, राष्ट्रपति द्वारा 17-1-77 से 3-3-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रा० ना० मुख्यमंडल
अवर सचिव
प्रशासन प्रभारी

मुख्यमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० ए०-19036/19/76 प्रश्न०-5— निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० के० त्रिपाठी को दिनांक 10-1-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के

लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० ई०-16013(2) 12/73-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर, अपने मूल संबंध में प्रत्यावर्तित होने पर, श्री बी० जे० मिसर, आई० पी० एस० (महाराष्ट्र-1958) ने दिनांक 30 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से के० आई० सु० ब० गृप मुख्यालय के ग्रुप कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० ई०-16013(2)/8/74-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर, अपने मूल राज्य को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री ए० बी० बी० मुदालियर आई० पी० एस० (महाराष्ट्र-1964) ने दिनांक 3 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से के० आई० सु० ब० गूनिट एफ० सी० आई० ट्रान्स्फेर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक एन० के० आनन्द क्ल० 4 अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० आई० सु० ब० गूनिट आई० पी० सी० एल० बड़ीदा का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 19 जनवरी 1977

सं० ई०-16013(2)/2/77-कार्मिक—मध्य प्रदेश राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री नरेन्द्र प्रसाद, आई० पी० एस० (म० प्र०-1962), ने दिनांक 17 जनवरी 1977 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक-महानिरीक्षक पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 22 जनवरी 1977

सं० ई०-38013(2)/7/76-कार्मिक—दिल्ली को स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० आर० खोसला, कमांडेंट, के० आई० सु० ब० गूनिट, खेतरी कापर प्रोजेक्ट, खेतरी, ने दिनांक 17 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक एस० एन० सिंह को दिनांक 27 नवम्बर 1976 के अपराह्न में अगले आदेश तक के० आई० सु० ब० गूनिट, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र,

दुर्गापुर का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/17/76-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री जे० एल० शर्मा ने 29 सितम्बर 76 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० व० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 2 अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० व० यूनिट एफ० सी० श्राई० नई जलपायगुड़ी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1977

सं० ई-38013(3)/17/76 कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक जे० एल० शर्मा को 7 नितम्बर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० व० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 11/13/75-एडी-I—राष्ट्रपति ने श्री एच० पी० राइम्बे की मेवाण, तारीख 3 जनवरी, 1977 के अपराह्न से सहर्ष मेघालय सरकार के सुपूर्व की। श्री राइम्बे ने उसी तारीख से मेघालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद का कार्यभार छोड़ा।

राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषक, श्री बी० पी० रस्तोगी का तारीख 3 जनवरी, 1977 के अपराह्न से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर मेघालय में जनगणना कार्य निदेशक, के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रस्तोगी का मुख्यालय शिलांग में होगा।

दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 16 सितम्बर, 1976 की समसंब्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर कर्नाटिक में अन्वेषक श्री आर० वाह० रेवाशेष्टी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख 1 जनवरी, 1977 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पर नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री रेवाशेष्टी का मुख्यालय बंगलौर में रहेगा।

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 17 सितम्बर, 1976 की समसंब्यक अधिसूचना के

अनुक्रम में और संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर पश्चिम बंगाल में अन्वेषक श्री डी० पी० चटर्जी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की तारीख 1 जनवरी, 1977 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 16 सितम्बर, 1976 की समसंब्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर महाराष्ट्र में अन्वेषक श्री आर० ई० चौधरी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की तारीख 1 जनवरी, 1977 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री चौधरी का मुख्यालय बम्बई में ही रहेगा।

बड़ी नाथ,

भारत के उप महापंजीकार और
भारत सरकार के पदेन उप सचिव

कार्यालय महालेखाकार, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० प्रशासन 1/947 II/51/58-51/72—महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित इस कार्यालय तथा महालेखाकार कार्यालय (केन्द्रीय) के सम्मिलित संवर्ग स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के बिन्दु अंकित दिनांक से मौलिक वेतनमान लेखा अधिकारी के पद पर बहाली करने की कृपा की है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पुष्टि की दिनांक
1.	श्री मनीश चन्द्र सेनगुप्ता	1-2-76
2.	श्री रा० कल्यानरमण	1-4-76
3.	श्री प्रभात कुमार विष्वास	1-6-76
4.	श्री निरोद मोहन बनर्जी	1-8-76
5.	श्री सैलेन्द्र नारायण दास	1-9-76
6.	श्री नारायण चन्द्र मोदक	4-9-76
7.	श्री मनोरंजन दास महापाल	1-1-77
8.	श्री सदानन्द चक्रवर्ती	1-1-77

एस० सी० सिंधुल
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

पूर्ति विभाग

लेखा महानियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० प्रशासन (समन्वय) का० आ०/९३—लेखा महानियंत्रक से अनुभोदन प्राप्त करने के बाद मुख्य लेखा नियंत्रक ने अम्बई स्थित उप लेखा नियंत्रक कार्यालय, पूर्ति विभाग के श्री बी० एम० एल० कपूर लेखा अधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 15-1-1977 (अपराह्न) से मंजूर कर लिया है। अतः श्री बी० एम० एल० कपूर का नाम मुख्य लेखा नियंत्रक संगठन की नामावली से दिनांक 15-1-77 (अपराह्न) से काट दिया गया है।

जय लाल,
उप लेखा नियंत्रक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० 86016(14)/76-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के श्री एन० गोपालन को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रु० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए 5-1-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त समर्थ नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० 18288/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री हरनारायण मलहोत्रा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और उनका नाम 30-9-77 (अपराह्न) से विभाग की नकरी से निकाल दिया जायेगा।

पी० के० रामानुजम,
रक्षा लेखा अध्यक्ष महानियंत्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/1125/76-प्रशासन (राज०) 634—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन नियंत्रक, श्री पी० के० सील ने 31 दिसम्बर, 1976 के दोपहर बाद से उस पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० एस० गिल,
मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रक

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० प्र०-1/1(82)—पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रक, नई दिल्ली ने नियंत्रक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) के पद पर अवनति होने पर भी श्री पी० पी० कपूर ने दिनांक 18 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से उप महानियंत्रक का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० प्र०-1/1(1073)—श्री ई० शार० माने ने पूर्ति नियंत्रक (वस्त्र) में अधीक्षक के अराजपत्रित पद पर अवनति होने पर पूर्ति नियंत्रक (वस्त्र), अम्बई के कार्यालय में दिनांक 19 जनवरी, 1977 के अपराह्न से सहायक नियंत्रक (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

कीरत सिंह,
उप नियंत्रक (प्रशासन)
हस्ते पूर्ति निपटान महानियंत्रक

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० ए-17011/1160-6—महानियंत्रक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा कलव सानिरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री गुरुमुख सिंह को दिनांक 3 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापनरूप से नियुक्त करते हैं।

मुर्य प्रकाश,
उप नियंत्रक (प्रशासन)
हस्ते महानियंत्रक,

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैशानिक भवेषण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 जनवरी, 1977

सं० 14/76/19ए—भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के लागत-लेखापाल (तदर्थ) श्री डी० के० राय चौधुरी को लागत लेखापाल के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 रु० के वेतन मात्र में, प्रस्थाई अमता में, आगामी आदेश होने तक 30 नवम्बर, 1976 से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० के० एस० वरदान,
महा नियंत्रक

राष्ट्रीय अधिकारी

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० फा० 11-14/76-ए०-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अधिकारी निदेशक (भारत सरकार) श्री पी० आर० मलिक को दिनांक 27/1/77 से आगामी आदेश पर्यन्त नियमित अस्थाई आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (द्वितीय वर्ग राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

सं० फा० 11-14/76-ए०-1—श्री निर्मल कान्त, सहायक पुरालेखाधिकारी ग्रेड 1 (सामान्य) नितान्त तदर्थ आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (बी ग्रेड राजपत्रित) 27-1-1977 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किये गये। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिये किसी भी प्रकार के वाये का अधिकार प्रदान नहीं करेगी और न अन्य उच्च ग्रेड में पशोप्रति हेतु पात्रता और वरिष्ठता संबंधी उद्देश्य के लिये गिनी जायेगी।

ह० अपठनीय
अधिकारी निदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० ए-12011/13/76-ए०-2—केन्द्रीय गजस्व महालेखाकार, नई दिल्ली के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की स्थानापन्न नियुक्ति प्रत्येक के सामने लिखे कार्यालय और तिथि से लेखाधिकारी के रूप में 1 वर्ष के लिए ₹० 840-1200 के बेतनमान में की जाती है।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय ग्रहण की तिथि	कार्यालय
1. श्री श्री० पी० पहाड़ि	18-12-76 (पूर्वाह्नि)	केन्द्रीय अधियक्षा का कार्यालय केन्द्रीय क्रय और भंडार, दूरदर्शन नई दिल्ली।	
2. श्री एल० एन० सक्सना	5-1-77 (पूर्वाह्नि)	बिक्री नियन्त्रक का कार्यालय, दूर- दर्शन, व्यवसायिक सेवाएं नई दिल्ली	

इनकी प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) वित्त मंत्रालय (व्यवसाय) के ओ० एम० संख्या 10 (24)ई-III/60 दिनांक 4 भद्द, 1961 समय-समय पर यथा-संशोधित, में निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार होगी।

राधाकृष्ण खड्ग,
उपनिदेशक प्रशासन
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० 55/49/76-ए०-1—महानिदेशक, दूरदर्शन इसके द्वारा श्री ई० एम० मेसी, ट्रांसमीशनकार्यालयी, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली की नियुक्ति उसी केन्द्र में “कार्यक्रम कार्यकारी” के रूप में तदर्थ के आधार पर 6 दिसम्बर, 1976 से आगे आदेश होने तक करता है।

सं० 55/50/76-ए०-1—महानिदेशक, दूरदर्शन इसके द्वारा श्री एस० पी० टंडन, ट्रांसमीशनकार्यालयी, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली की नियुक्ति उसी केन्द्र में “कार्यक्रम कार्यकारी” के रूप में तदर्थ के आधार पर 3 दिसम्बर, 1976 से आगे आदेश होने तक करता है।

आर० एन० मलिक
निदेशक (वित्त)
हृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 24 जनवरी 1977

सं० ए-12025(II)/1/76-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रभुव निर्माता ने श्री एम० पी० मिह्ना, सहायक कैमरामैन, फिल्म प्रभाग बम्बई को श्री एच० एस० कपाडिया, स्थायी कैमरामैन के छुट्टी पर जाने के कारण, 11-1-1977 के पूर्वाह्नि से कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

एम० क० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी,
हृते प्रभुव निर्माता

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,

फरीदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० फाईल 4-6 (114)/76-प्रशा-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री राम विठोद्वा कोटे वो सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस निदेशालय में कलकत्ता में दिनांक 30 दिसम्बर, 1976 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन-अधिकारी, वर्ग II, नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहार,
निदेशक प्रशासन
हृते कृषि विपणन सलाहकार

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० फा० 74/15/72-विकास-I—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (1) एस० आर० श्री० 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (2)/83 दिनांक

29 जुलाई 1961 (3) 3752 दिनांक 26। दिसम्बर, 1955 और (4) 157 दिनांक 22 जून, 1963 और जी० एस० आर० 904 दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, जे० एस० उपल. कृषि विषय सलाहकार भारत सरकार, एतद् द्वारा, वरिष्ठ विषयन अधिकारी, प्रभारी पश्चिमी क्षेत्र बम्बई से सम्बद्ध डा० ए० के० श्रीवास्तव, विषयन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से मुग्धित तेल और बनस्पति तेल, जिनका श्रेणीकरण समय समय पर संशोधित सुगम्भित तेल तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1954 और बनस्पति तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1955 के अनुसार किया जा सका है और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उपल,
कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
भारी पानी परियोजनाएं
बम्बई-400008, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० 05000/स-247/377—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री गटी कृष्ण साहू को, भारी पानी परियोजना (तलचर) में जनवरी 5, 1977 पूर्वान्त से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी हैसियत से स्थानापन्न श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05000/प-164/376—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री जी० पदमनाभन, तमिलनाडु सरकार के लोक निर्माण विभाग के स्थानापन्न सहायक तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के वरण्य श्रेणी लिपिक को अस्थायी हैसियत से मार्च 30, 1976 (पूर्वान्त) से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

ग्रन्तिरक्ष विभाग
भारतीय ग्रन्तिरक्ष अनुसंधान संगठन
कार्मिक और सामान्य प्रशासन
श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 10 जनवरी 1977

सं० एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/ई० IV/1. 72—
ग्रन्तिरक्ष विभाग के भारतीय ग्रन्तिरक्ष अनुसंधान संगठन के शार रेज में इंजीनियर एस० बी० कुमारी उषा दोष

का त्यागपत्र दिनांक 6-1-1977 के अपराह्न से स्वीकार किया गया है।

हस्तांत्रिक
नियंत्रक,
हस्ते निदेशक
शार केन्द्र

पर्यटन और नागर विभाग संवालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० ई० (I) 04267—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजा को 17-1-77 के पूर्वान्त से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक, (पूर्वानुमान) के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 04304—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, (उपकरण), पुणे के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० चौधुरी को 17-1-77 के पूर्वान्त से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चौधुरी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, (उपकरण), पुणे के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05131—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० आर० शेषाद्रि को 10-1-77 के पूर्वान्त से 8-4-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री शेषाद्रि, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05868—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री चन्द्र प्रकाश को 19-1-77 के पूर्वान्त से 31-3-77 तक 72 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चन्द्र प्रकाश, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06059—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली व्यावसायिक सहायक श्री एम० सी० गुप्ता को 17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06560—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एच० सी० मेहरा को 14-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 77 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मेहरा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06736—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री आर० के० बंसल को 14-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 77 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बंसल, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 07284—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री बी० आर० अरोड़ा को 17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री अरोड़ा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

गुरु मुख राय गुप्ता,
मौसम विज्ञानी
हृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० ई० (I) 06341—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक कृषि-मौसम विज्ञान पूना के कार्यालय में स्थानापन्न व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० काजी को, भारत मौसम विज्ञान सेवा, गुप्त-बी में (केन्द्रीय सेवा एंगुप-बी), 30 दिसम्बर

1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री काजी, निदेशक कृषि मौसम विज्ञान पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञान (स्थापना)
हृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० ए-35021/1/74-ई० एम०—बोकारो स्टील लि० में विभागेतर सेवा पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित होने पर श्री टी० के० मैत्रा ने 23 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न में क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता के कार्यालय में विमान निरीक्षक, के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1977

सं० ए-19012/1/77-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० आर० राजपूत को 22-1-1977 (अपराह्न) से, तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थं आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास प्रकाक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन
हृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० ए-19013/18-ए/72-ई० एच/ई-१—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री के० एस० एम० राव सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं और उन्होंने 31 दिसम्बर, 1976 से क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रेमचन्द जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० ए-38013/1/77-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर

क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय के श्री के० स्वामी - नाथन, सहायक संचार अधिकारी ने 21-12-1976 (अप्र० रात्रि) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सुरजीत लाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय,
सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1/77—निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को, निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली, में नीचे बताए गए सहायक मुख्य लेखा अधिकारियों के छुट्टी पर जाने के कारण रिक्त हुए पदों पर दिनांक 17-1-77 (पूर्वाक्ष) से श्री आरोग्य श्रावेश होने तक स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिए सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

1. श्री ए० आर० शर्मा श्री बी० के० हाजरा, स०म० ले० अ० के स्थान पर।
2. श्री ए० सी० मल्लिक श्री ए० एन० वर्मा, स० म० ले० अ० के स्थान पर।
3. श्री टी० आर० शर्मा श्री के० डी० मठ, स० म० ले० अ० के स्थान पर।

स० वेंकटरामन
निरीक्षण निदेशक

निर्माण और आवास मंस्तालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० 30/2/76-ई० सी० 9—राष्ट्रपति, निम्नलिखित स्थानापन्थ वास्तुको/वरिष्ठ वास्तुकों को, जो सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप ए में, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में वास्तुक/वरिष्ठ वास्तुक के ग्रेड में कार्य कर रहे थे, उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से स्थायी घोषित करते हैं।

क्रम सं०	नाम	स्थायित्वता की तिथि		विवरण
		1	2	
1.	श्री ए० के० ऋषि	23-4-69		
2.	श्री जोगिन्द्र बहादुर	23-4-69		
3.	श्री आर० डी० माधुर	23-4-69		
4.	श्री ए० बी० सर्वेना	7-5-69		
5.	श्री आर० सी० मनचन्दा	15-9-69		
6.	श्री ए० डी० राजावन्या	26-6-70		
7.	श्री ए० के० दास गुप्ता	12-5-71		
8.	श्री के० आर० जानी	23-12-71		

1	2	3	4
9.	श्री सनगत सिंह	22-6-72	
10.	श्री टी० के० डी० बर्मन	19-9-72	
11.	श्री जे० आर० जाधव	23-10-72	
12.	श्री जे० कोठारी	17-3-73	
13.	श्री ए० डी० सतपुटे	10-6-73	
14.	श्री लब्ध्य० आर० शिंह रकर	24-6-73	
15.	श्री बी० ए० दुग्धल	23-1-74	
16.	श्री ए० सी० शर्मा	1-5-74	
17.	श्री आर० ए० भाटिया	1-5-74	

ए० ए० पी० राव,
प्रशासन उप-निदेशक (II)
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 30/7/75-ई० सी०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधीक्षकों को इनके नामों के समक्ष दी गई तिथियों से केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी 1, में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर स्थाई रूप से नियुक्ति का आदेश देते हैं।

सं०	नाम	स्थायी नियुक्ति की तिथि
1.	श्री धर्मपाल	26-10-74
2.	श्री जगमोहन स्वरूप	9-10-74
3.	श्री रमेश चन्द्र गुप्त	9-10-74

सं० 30/13/76-ई० सी०-I—राष्ट्रपति श्री ए० के० सिन्हा को 1 जनवरी 1974 से केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, ए-श्रेणी में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर स्थायी रूप से नियुक्ति का आदेश देते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 77

सं० 27-ए०-ई०/जी(6)/74-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, 'बी' मण्डल के सहायक कार्यपालक इंजीनियर श्री डी० ए० गुप्ता का 13 दिसंबर 1976 को देहान्त हो गया।

पी० ए० पारबानी
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 30/13/76-ई० सी०-I—राष्ट्रपति श्री महेन्द्र सिंह का 8-11-73 से केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी 1 में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर स्थायी रूप से नियुक्ति का आदेश देते हैं।

पी० एस० पारबानी
प्रशासन उप-निदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 1/13/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के अनुसार श्री राम सिंह को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निदेशक (वैज्ञानिक) के प्रेड में 21-12-76 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश जारी होने तक, एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

2. श्री राम सिंह नियुक्ति की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

पी० एम० सिराजुद्दीन,
प्रब्रह्म सचिव

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1977

सं० 4—उत्तर रेलवे के यातायात विभाग के नीचे दिए गए अधिकारी उनके सामने दी गई तिथि से अन्तिम रूप से रेल सेवा से निवृत हो गए हैं।

1. श्री रामसरन दास गुप्त ए० टी० श्र० (पी० एल) / प्रधान कार्यालय 30/9/76 ए० एन०

2. श्री के० एल० सभरवाल, ए० श्र० एस० (कोर्चिंग) दिल्ली 31-12-76 ए० एन०।

एस० सी० मिश्र,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय,

कम्पनी कार्य विभाग,

कम्पनी विधि बोर्ड

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर एंड कोटेज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1190/6587—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजस्थान फारमर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर एंड कोटेज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर कोलोनाईजर एंड एंड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
ग्रालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1193/6589—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर कोलोनाईजर एंड एंड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर फाइनेंसीयर एंड इनवेस्टर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
ग्रालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1198/6591—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर फाइनेंसीयर एंड इनवेस्टर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजस्थान फारमर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में
ग्रालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1192/6593—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजस्थान फारमर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर कौमशियल एंड प्रोडक्ट्स प्रायवेट लिमिटेड के विषय में
ग्रालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1201/6595—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर कौमशियल एंड प्रोडक्ट्स प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया

गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर मरकेन-टाइल एंड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1199/6597—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर मरकेन-टाइल एंड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर एंग्रीकलचरल कारनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1194/6599—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर एंग्रीकलचरल कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर होर्टिकलचर एंड एंग्रीकलचर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में,

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1197/660—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर होर्टिकलचर एंड एंग्रीकलचर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जावेगी।

सत्यप्रप्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बी० ए० हार्डवेअर मार्ट प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० 3422/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० ए० हार्डवेअर मार्ट प्रायवेट

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

पी० टी० गजवाणी
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मजदूर चिट फन्ड कम्पनी प्रा० लिमिटेड अजमेर के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० नं० मांश्यकी/1241/—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा, 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मजदूर चिट फन्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड अजमेर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विधित कर दी जावेगी।

रामदयाल कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुलमबाड़ी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, दिनांक 23 नवम्बर 1976

सं० 4144/टी एन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पुलमबाड़ी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मणी एंड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, 23 नवम्बर 1976

सं० 4261/टी एन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मणी एंड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास इंजीनियरिंग वर्से प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, 23 नवम्बर 1976

सं० 5108/टीएन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मद्रास इंजीनियरिंग

वक्सन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

पी० भास्कर राव,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 दि इण्डियन ओवरसीज़ एग्जिबिशनस एण्ड पब्लिकेशनस लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० 1018/टी (560) —कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि इण्डियन ओवरसीज़ एग्जिबिशनस एण्ड पब्लिकेशनस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भागनगर पिक्चर्ज लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० 837/टी (560) —कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भागनगर पिक्चर्ज लिमिटेड का नाम आज

रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनी रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कार्यालय

आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1977

आयकर स्थापना

विषय:— स्थापना-राजपत्रित-आयकर अधिकारियों (श्रेणी-2) की पुष्टि

सं० न० ई०-१/सी० आई० टी० (I)/डी० पी० सी० (श्रेणी०२) कल्पमेणन/73-74 से 76-77/25024—श्री डौ० एन० सच्चेद, को दिनांक 14 अप्रैल, 1972 से रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 (बाद में संशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रेणी-2) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

पुष्टि की तारीख में बाद में आवश्यक होने पर परिवर्तन किया जा सकता है।

अवतार मिह,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जनवरी 1977

निर्देश सं० 1640/76-77—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कपूरथला रोड जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरण जीत सिंह, जगजीत सिंह लल्लू० जी० 435, स्वराज गन्ज जालन्धर (अन्तरक)
2. मैसर्स प्रदीप आटो इन्डस्ट्रीज बिगरा गेट जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 743 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

मोहर ।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 31 जनवरी 1977

निवेश सं० 1641/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कि कपूरथला
रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और; या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य ग्राहितियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 घ की
उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरण जीत सिंह, जगजीत सिंह डब्ल्यू० जी०-
435 स्वराज गञ्ज जालन्धर
(अन्तरक)
2. मैसर्स प्रदीप इन्डस्ट्रीज गिल रोड लुधियाना
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखाता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 के यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 744 मई 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-1-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जनवरी 1977

निर्वेश सं० 1642/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गुराया में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्परागत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या मर्यादास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपग्राम (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधारौ :—

1. श्री तारा सिंह सपुत्र श्री ज्वाला सिंह सपुत्र श्री विवान सिंह निवासी बड़ा पिन्ड तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. प्रकाश कौर विधवा श्री सुचा राम सपुत्र श्री शंकर दास निवासी सपरोर नंगल तहसील फगवाड़ा मार्फत सुरीन्द्र आटो बर्स रेलवे रोड, फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिकरण नहीं है।

(क) इस हुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूलि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 373 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रीराजन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक २ फरवरी १९७७

निर्देश सं० ए० पी० 1643/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

प्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बहादुरपुर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसके प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित घटनियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र
श्री अच्छान्त राम सैनी, निवासी वहादुग्पुर, होशियारपुर
(प्रत्तरक)

2. श्री हरवंस लाल सुपुत्र श्री कृष्ण दास सुपुत्र श्री
वसंतामल्ल सूद, निवासी—बहादुरपुर, होशियारपुर
(अन्तरिटी)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रद्धिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુષ્ઠાન

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 679 जून 1976
को रजिस्टर्ड अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : २-२-१९७७

मोहर ;

प्र० अ० टी० एन० इस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० पी० 1644/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कश्मीरी बाजार में स्थित है (और इससे उपाब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

1. श्री राम सिंह सुपुत्र श्री सन्त प्रताप मिश्र सुपुत्र श्री शर्मसिंह, निवासी—कश्मीरी बाजार, होशियारपुर (अन्तरक)

2. श्री आबू राम सुपुत्र श्री चित राम सुपुत्र श्री श्रमी चम्द, निवासी—आर्य नगर होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1135 जून 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्रम अधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप्राइंटी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सद्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० पी०/1645/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹25,000/- ₹० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच दो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ष) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—466G/76

1. श्री मुकन्द लाल सप्तरा एडवोकेट सुपुत्र श्री गणेश दास सुपुत्र श्री साहित्य राम, बाजार बकीना, होशियारपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा वती पत्नि श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री किशोरी लाल, कमेटी बाजार, होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सच रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० वी-2-1516-3 जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1619 जुलाई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

मक्षम प्राधिकारी

सद्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977
मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निवेश सं० ए० पी०/1646/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो वंगा में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से छुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश कौर बहिन श्री भाग सिंह निवासी—
वंगा (अन्तरक)

2. श्रीमती जागीर कौर पत्नि श्री गुरमेल सिंह श्री निर्मल
सिंह, सुपुत्र श्री भाग सिंह, वंगा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1699 जून 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर ने लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 3 फरवरी 1977

निवेदण सं० 1647—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो करतार पुर
में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब जज प्रथम
श्रेणी जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से घटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री असवन्त सिंह सुपुत्र श्री शेर सिंह सपुत्र गुजर मिहू
निवासी करतारपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी विधवा श्री बलवन्त सिंह सपुत्र
श्री गुजर सिंह निवासी करतारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रन्धि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि सब जज प्रथम श्रेणी जालन्धर आई०
नं० 302 आफ 1970 तक 7-5-76 ने लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० सी० एच० झी०/29/76-77—यतः, मुझे, जी० पी० सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 116, सैक्टर 20-ए है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख जून 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम—

1. श्री चरनजीत लाल भसीन पुत्र श्री मोहन लाल भसीन निवासी मकान नं० 3144 सैक्टर 27, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री सुख दयान पुत्र श्री झंडा मल्ल निवासी मकान नं० 134, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. (1) नव चालू निकेतन सोसायटी द्वारा इसके सचिव श्री रवि चन्द्र, निवासी मकान नं० 1467, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(2) श्री गुलशन लाल पुत्र श्री चरनजीत लाल,

(3) श्री चूहड़ राम पुत्र श्री आत्मा राम,

(4) श्री श्याम लाल सारे निवासी मकान नं० 116, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभेद में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भवतर पूर्वोंत सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भवतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी वा पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 116, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 फरवरी 1977

मोहर।

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 फरवरी 1977

निवेश सं० सी० एच० ई०/36/76-77—यतः, मुझे,
जी० पी० सिह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 72, सैक्टर 2, है तथा जो चण्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास बरने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शील चंद जैन पुत्र श्री गोकल चंद जैन निवास
खतौली, जिला मुजफ्फरनगर (यू० पी०) (अन्तरक)

2. श्री भूपिंदर सिंह पुत्र श्री मोहिंदर सिंह और श्रीमती
राजकुलबीर कौर पत्नी श्री भूपिंद्र सिंह दोनों निवासी मकान
नं० 56, सैक्टर 9, चण्डीगढ़-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची
मकान नं० 72, सैक्टर 2, चण्डीगढ़-1।

जी० पी० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 फरवरी 1977

मोहर :

प्र० प्र० आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 फरवरी 1977

निदेश सं० सी० एच० डी०/३८/७६-७७—यतः, मुझे,
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, चण्डीगढ़-I

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1041, सैक्टर 27-बी, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1976

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री हरभजन लाल पुत्र श्री दोलत राम और श्रीमती
भोली स्वर्णों पत्नी श्री हरभजन लाल द्वारा उनके प्राप्तिकर्ता
श्री सूरज प्रकाश पुत्र श्री भीम सैन खन्ना निवासी मकान नं०
1669, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़-I (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कलावती पत्नी श्री विद्यासागर गुप्ता,
(2) श्री मुभाय गुप्ता और
(3) श्री विनोद गुप्ता दोनों पुत्र श्री विद्या सागर²
गुप्ता, निवासी मकान नं० 1066, सैक्टर
27-बी, चण्डीगढ़-I (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

मकान नं० 1041, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़-I।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 फरवरी 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 फरवरी 1977

निवेश सं० करनाल/14/76-77—यतः, मुझे, ग० प० सिह, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उद्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अशोक राईस इन्डस्ट्रीज का 1/3 भाग है तथा जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नरेश कुमार } पुत्र श्री प्रेमनाथ
 (2) श्री अनिल कुमार } उर्फ प्रेम चन्द्र
 (3) श्रीमती पश्मा रानी विधवा प्रेम चन्द्र, तथा

(4) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र श्री प्रेम चन्द्र द्वारा मुख्यत्वारे आम श्री दीपक दीवान पुत्र यादो राम, 2, नई मण्डी, करनाल (अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल। (अन्तरिक्षी)

4. (1) श्री नरेश चन्द्र, और

(2) श्री पोखर मल पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल।

(3) श्री सिरी राम पुत्र गोपाल दास महाजन अग्रवाल निवासी असंध तह० व जिला करनाल।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में भी किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20क में परिभ्रापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि अशोक राईस इन्डस्ट्रीज के नाम से जानी जाती है उसका सभी इमारतों सहित भूमि क्षेत्रफल 11427 वर्ग गज का 1/3 भाग, जिसका खसरा नं० 1514 और 1515 है, और जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्न लिखित हैं :—

उत्तर—भूमि श्रीमती बलवन्त कीर आदि

दक्षिण—सुरेश राईस मिल्ज

पूर्व—हांसी रोड और मेन गेट

पश्चिम—भूमि श्रीमती बलवन्त कीर आदि।

(जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4896 जून 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।

ग० प० सिह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 फरवरी 1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 फरवरी 1977

निवेश सं० करनाल/40/76-77—यतः मुझे, ग० प० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० अशोक राईस इण्डस्ट्रीज का 1/3 भाग है तथा
जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चन्द्र पुन्न श्री बनारसी दास, दुकान नं०
3, नई मण्डी, करनाल । (अन्तरक)
2. श्री नरेश चन्द्र पुन्न श्री मांगे राम दुकान नं० 64,
नई मण्डी, करनाल । (अन्तरिती)

3. (1) श्री प्रेम चन्द्र और

(2) श्री पोखर मल पुन्न श्री मांगे राम, दुकान नं०
64 नई मण्डी, करनाल ।

(3) श्री सिरी राम पुन्न गोपाल दास महाजन अग्रवाल
निवासी असन्धि, तह० व जिला करनाल ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि अशोक राईस इण्डस्ट्रीज के नाम से जानी
जाती है उस का सभी इमारतों सहित भूमि क्षेत्रफल 11427
वर्ग गज का 1/3 भाग, जिसका खसरा नं० 1514 और 1515
है, श्रीर जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में
स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि ।

दक्षिण—सुरेश राईस मिल ।

पूर्व—हांसी रोड श्रीर मेन गेट ।

पश्चिम—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलोक्त नं० 5209 जून 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है ।

ग० प० सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 फरवरी 1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक 3 फरवरी 1977

निवेश सं० करनाल/41/76-77—यतः, मुझे, म० प० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अशोक राईस इंडस्ट्रीज का 1/3 भाग है
जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री मदन लाल पुत्र श्री बनारसी दास अग्रवाल, दुकान नं० 3, नई माकिंट, करनाल। (अन्तरक)
2. श्री पोखर मल पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल। (अन्तरिती)
3. (1) श्री प्रेम चन्द व नरेश चन्द पुत्र श्री मांगे राम,
दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल;
- (3) श्री सिरी राम पुत्र गोपाल दास महाजन अग्रवाल,
निवासी अमन्द, तह० व जिला करनाल।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि अशोक इंडस्ट्रीज के नाम से जानी जाती
है उसका सभी इमारतों सहित भूमि क्षेत्रफल 11427 वर्ग
गज का 1/3 भाग, जिसका खसरा नं० 1514 और 1515
है, और जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में
स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

उत्तर—भूमि श्रीभती बलबन्त कौर आदि।

दक्षिण—सुरेश राईस मिल्ज।

पूर्व—हांसी रोड और मेन गेट।

पश्चिम—भूमि श्रीमती बलबन्त कौर आदि।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 5322 जून 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में
लिखा है।

ग० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 फरवरी 1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय
भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन० बी०/भोपाल/76-77—
यतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है,
(और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में वास्तविक रूप से
कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों को,
जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री श्रीमत्त माधव राव सिधिया पुत्र स्व० माहाराजा
श्रीबाजी गव मिधिया, निवासी ग्वालियर (अन्तरक)

2. बसंत बिहार सहकारी संस्था मर्यादित द्वारा प्रेसिडेन्ट
श्री हरी प्रसाद अग्रवाल निवासी बिरला नगर, ग्वालियर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि क्षेत्रफल 8, 02,650 वर्गफुट स्थित "जय
बिलास पैलेस" ग्वालियर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-1-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, विनांक 18 जनवरी 1977

निर्वेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77—
यतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-7-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयन्ती भाई पुत्र श्री नारायण जी भाई पटेल निवासी
35, शीलनाथ कैम्प, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन कुमार वन्दी निवासी 10, गुरु गोविन्द
सिंह मार्केट, फस्ट फ्लोर, सिख मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18, स्थित बायमंड क्लब पूर्व में यह म्यूनिसीपल
नं० 5/1 का भाग था स्थित रोशन सिंह बंडारी मार्ग, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-1-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 19 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77—
यतः मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', भी गया है), की धारा 269 घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टरी-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-8-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में अभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बमबारी लाल दगडी निवासी
50, राधा नगर, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह (2) श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सुजान
सिंह तुतेजा दोनों निवासी 97, गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के यथा-
परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 97, गोपाल बाग, मानिक बाग
रोड, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 19-1-1977

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी टी० एम० एस०—

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मामूल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जनवरी 1977

निवेश सं० प्राईंटी ए०सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/788—
यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो बालाघाट में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-8-1976

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षहूँ प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या भव्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरण
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती माली बाई पत्नी श्री मनोहर बूती निवासी
वार्ड- नं० 7, बालाघाट।

2: (अ) श्री मुलामधन्द पुत्र श्री गुलजारी लाल जैन निवासी
बूती चाल वार्ड नं० 7, बालाघाट। (अन्तरक)

(ब) श्री तारा अन्द पुत्र श्री हुलीचन्द जैन निवासी वार्ड
नं० 9, बालाघाट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 262/168 क्षेत्रफल 10,000 वर्गफुट
स्थित बूती चाल, वार्ड नं० 7, बालाघाट ।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक मायकर मामूल (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-1-1977

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-7-1165 (558)/11-4/
75-76—यह, मुझे, जे० कथूरिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 752 से 759 तक तथा 765 से 772
तक, सिटी सर्वे वार्ड-3, है, तथा जो महात्मा गांधी रोड तथा नई
एस० टी० बस स्टेन्ड रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री भगवान दास परपोतम, मार्णक चौक,
पोरबंदर

(ii) श्री हरगोविंद दास विट्ठलदास, मस्जिद बंदर
रोड, गया बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, बम्बई-3
(अन्तरक)

2. (1) नरसी रामजी जुंगी, हरि भुवन, महात्मा गांधी
रोड, पोरबंदर,
- (2) श्री बाबूलाल वेलजी सिध्घव,
मारफत : मैसर्से वेलजी पी एप्ड सन्स, बंदर,
पोरबंदर,
- (3) श्री हरिलाल आनंद लाल लखाणी, भारत
मोटर वर्क्स, पोरबंदर (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (i) बानंद गोरधनदास गोकलदास
- (ii) श्री मोहनलाल कालीदास राधाणी,
- (iii) श्री पटेल जादवजी लीकमजी,
- (iv) श्री रामजी मावजी धर्मेलिया,
- (v) दरजी रामजी लालजी,
- (vi) धोबी कारा रत्नराणी, हरि भुवन, महात्मा
- (vii) श्री खुशेंद्र कुमार नेतशीभाई गांधी रोड तथा नई
- (viii) श्री भवाई दयालाल देवाजी, एस० टी० बस स्टेन्ड
- (ix) बानंद गोरधन गींगा, रोड, पोरबंदर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रथ्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथ्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1050. 7. 11 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है, तथा जिसका सिटी सर्वे वार्ड नं० 3, सर्वे नं० 752
से 759 तक तथा 765, से 772 तक है तथा जो हरि भुवन
के नाम से प्रसिद्ध है तथा जो महात्मा गांधी रोड तथा नई
एस० टी० बस स्टेन्ड रोड पर, पोरबंदर में स्थित है ।

जे० कथूरिया,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 29-1-1977

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1208(559)/5-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 254/3, है तथा जो बड़वा, भावनगर
में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दार्शक रूप से वर्णित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में बमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, इषपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन मिम्मलिखित व्यक्तियों, प्रर्तितः:—

1. श्री नाना लाल कुवरजी शाह, जेल रोड, भावनगर
(अन्तरक)

2. दक्षिण विभाग नं० 2 मालधारी घरबांधनारी भहकारी
मंडली लि० भावनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खेती वाली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़,
2 गुंडा है तथा जिसका सर्वे नं० 254/3 है तथा जो बड़वा,
भावनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभियाहन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभियाहन/287/हापुड़/76-77/309—यतः,
मुझे, एल० एन० गुप्ता,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

29-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बच या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अनुसरण में, भौम अधिनियम की धारा 269 व (1) की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

1. श्री जनार्दन कृपाल पुत्र श्री बी० शाऊ दयाल व श्री मोहन पुत्र श्री जनार्दन कृपाल निवासी रेवती कुन्ज रेलवे रोड, हापुड़, जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री विजय प्रकाश पुत्र श्री ला० रघुबीर शरण जी जाति वैश्य अग्रवाल निवासी कस्बा हापुड़ मोहल्ला मोरी गंज फस्ट, जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्थापन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति विलेवग का 1/2 भाग रकमा 593 वर्ग गज बाके मुहल्ला रेवती कुंज रेलवे रोड, हापुड़, जिला मेरठ, 40,500 रु० मूल्य में हस्त अन्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-1-1977

मोहर :

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिप्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिप्रहण/219/गाजियाबाद/76-77/310—
मत: मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है') की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जुलाई 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिख्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत; अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपषासा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—
5—466GI/76

1. श्री एम० केकबल निवासी बी० मंसूरी पो० दासना,
तहसील गाजियाबाद, मेरठ द्वारा मुख्तयारेआम ए० केकबल
(अन्तरक)

2. श्री हाजी नाजिर अहमद पुत्र तोला खां (2)
अनवर अली (3) प्रख्तर अली (4) अहसान अली (5)
उसमान अली पुत्रराण हाजी नाजिर अहमद (6) बैगम
साहिबा बेवा अहसान अली निवासीगण बी० मंसूरी तहसील
गाजियाबाद जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्षसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, यही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अभुसूची

अचल सम्पत्ति आबादी भूमि रक्का 15,000 वर्ग गज
नम्बर 686 वाकै बी० मंसूरी, पो० दासना तहसील गाजिया-
बाद जिला मेरठ, 2,75,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अभियान रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभियान/366/रुड़की/76-77/219—अतः
मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 [(1908 का 16)]
के अधीन दिनांक 25 मई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वार्ताक्रिय रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रनक्त
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम चन्द गुप्ता पुत्र स्व० श्री शोभा राम निं०
48, सिविल लाइन्स कस्बा रुड़की, पर० व डा० व तह०
रुड़की जिला सहारनपुर मुख्यारेश्वर मिलालिक फर्म एम० एस०
जे० एण्ड कम्पनी खन्जरपुर, रुड़की जिला सहारनपुर
(अन्तरक)

2. श्रीमती शशी कुमारी पत्नी श्री जितेन्द्र कुमार
निवासी 180/14, शीलकुंज, रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की
पर० व डा० व० तह० रुड़की, जिला सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लाट रक्का 12,600 वर्ग फिट
खसरा नं० 355 और 356 वाके निकट रेलवे स्टेशन
रुड़की, 37,800 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977।
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

‘आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/294/कैराना/76-77/306—अतः; मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सत्य प्रकाश पुत्र साबू लाल निवासी शामली डा० खास परगना शामली तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार जैन पुत्र छोटन लाल जैन निवासी शामली डा० खास पर० शामली तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/2 भाग एकड़ा 154 वर्ग मीटर वाकै शामली धीमानपुर परगना शामली तह० कैराना, जिला मुजफ्फरनगर, 35,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977।

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईड टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अभिग्रहण रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/293/कैराना/76-77/308—अतः,
मुझे, एल० एन० गुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 2 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तविक रूप से कथित नहीं चिया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्य प्रकाश पुत्र श्री बाबू लाल निवासी शामली
डा० खास पर० शामली तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार जैन पुत्र श्री छोटन लाल जैन
निवासी शामली डा० खास पर० शामली, तह० कैराना
जिला मुजफ्फरनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है;
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति बिलिंग का 1/2 भाग रक्वा 154 वर्ग
मीटर वाके शामली धीमानपुर परगना शामली तह० कैराना
जिला मुजफ्फरनगर, 35,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर विनांक 31 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/367-ए०/मसूरी/76-77/307—
अतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विधव स करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्रीमती हर हाईनीस महारानी उमिला देवी पत्नी हिंज हाईनीस श्री परताप सिंह निवासी नं० 6 पंचशील मार्ग चाणक्यपुरी न्यू देहली ब्राह्मण श्री सुशील कुमार बोहरा पुत्र श्री पी० एल० बोहरा निवासी रीगल बिल्डिंग पार्लियामेंट स्ट्रीट न्यू देहली। (अन्तरक)

2. श्रीमती राज कौशिलया पत्नी श्री कृष्ण देव निवासी नवाब गन्ज शोडा हाल निवासी दिलबहार एस्टेट सरदार हरमन सिंह रोड, मंसूरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताशरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, अहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति एक किता दो मंजिला भकान रक्का 2171 वर्ग फीट वाई दिलबहार एस्टेट, सरदार हरमन सिंह रोड चारलेविली, मंसूरी, 40,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 31 जनवरी 1977।

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 216/76-77—अतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 448-ई० है, जो मोदामादीपली जिला प्रोदाहूर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोदाहूर तालुका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 जून 1976 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

1. श्री पशा कोन्टा अनियास गोलकोन्डा उबुल रेडी पिता उबुल रेडी मोदामोदी पिला गांव प्रोदाहूर तालुका कुडप्पा जिला (अन्तरक)

2. (1) डोरनाला बालीरेडी-पिता बालीरेडी (2) डोरनाला गुरसी रेडी पिता बालीरेडी मोदा भावी पली गांव प्रोदाहूर तालुका जिला कुडप्पा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या क्षत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकर्ता के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुखी जमीन सर्वे नं० 448-ई० मोदामादी पली गांव प्रोदाहूर तालुका जिला कुडप्पा और बचर्गा दस्तावेज नं० 2398/76 सर्वरजिस्ट्रार कार्यालय प्रोदाहूर में जुमला जमीन 10-50 सेनस।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 2 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० ग्रार० ए० सी० 217/76-77—अतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है), की धारा 269य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

ग्रायकर जिसकी सं० 7-2-686 से 688 है, तथा जो सुभाष
रोड में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जून में 1977 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269य की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

1. येरीके पनडुरी-पिता चिनाबालीजी रैजीमेटल बाजार,
सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री विटलराऊ डनडुरी पिता श्रीमाजी राऊ डनडुरी
अग्रजल नदी अन्दिल तालुक मेडक जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तलमनपाला और पड़लामनजला नं० 7-2-686 ता 688
सुभाष रोड, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में
दस्तावेज नं० 717/76।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 2 फरवरी, 1977।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० 31/जून/76-77—ग्रतः, मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 169/1, 2 और 173 है, तथा जो वेलूर गांव सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वेलूर (पत्र सं० 861/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अर्द्धनारी और आदी

(अन्तरक)

2. श्रीमती सेन्टमिल सेलमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला, वेलूर गांव एस० सं० 169/1 (0.09 एकड़), 169/2/0.23 एकड़) और 173 (0.80-1/2 एकड़) में 1.12-1/2 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, मद्रास ।

दिनांक : 1 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

1. श्री मलपन और श्रीदि

(अन्तरक)

2. श्री टी० एस० कौ० मुम्मामनियम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 जनवरी 1977

निर्देश सं० 101 जून/76-77—आतः, मुम्मे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 51/3-बी० है तथा जो कम्बम में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कम्बम (पक्ष सं० 1501/
76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जून 1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—446GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, कम्बम पक्ष सं० 51/3-बी० में 1.03
एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक 20 जनवरी 1977।

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1977

निंदेश मं० 109/जून/76-77—अतः मुझे, जी० गमानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० एफ० 100 फेरनेत्तम, सेलम है तथा जोमें स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय सेलम (पत्र मं० 1942/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मनोरन्जीतम और आदि

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० चिन्नमाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ ब्रोगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, अलगापुरम गांव, फेरनेत्तम डोर सं० एफ० 100 (एस० सं० 84/1) में 7551 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० गमानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

दिनांक 1 फरवरी 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एल० राजगुरु

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मुरुगन फैर ऊर्केस इंडस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1977

निदेश सं० 49/जून/76-77:—यतः मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,
और जिसकी सं० 344/ए०, 349/1, 332/7, 332/5ए०,
332/5 बी० है, जो विस्वनातम गांव में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी पट्ट सं० 1227/76) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिवकासी विस्वनातम गांव एस० सं० 344/1ए० (9.22
एकड़), 349/1 (2.68 एकड़), 332/7 (0.50 एकड़),
332/5ए० (1.78 एकड़), 322/5 बी० (1.78 एकड़)
में 15.96 एकड़ की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज, मद्रास

तारीख : 20 जनवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

श्री करुण्या अचारी और आदी

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

श्री पालराज नाथर

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1977

निवेश सं० 50/जून/76-77 :—यतः, मुझे, जी रामानाथन, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 479/3ए और 3बी है, जो पुतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलूर (पत्र सं० 398/76) में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त एवं और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजपालयम तालुक पतूर गांव एस सं० 479/3ए और 3बी में 6. 22 एकड़ खेती की भूमि (झरना के माथ 3/4 भाग)

जी रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास
तारीख : 15-1-77
मोहर :

प्रलूप श्राइंटी० टी० एन० एस० —————

श्रीमती हलीमा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

श्री सिवकुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1977

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित्रित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम वा अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरें जिला, कम्बम एस सं० 1820 (2. 26 एकड़), 1819 (0. 37), और 1818 (3. 37 एकड़) में 6 एकड़ खेती की भूमि।

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उबत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

जो० रामनाथन
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 20-1-1977
मीहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 जनवरी 1977

निवेश सं० 103/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1818, 1805/1, 1806 और 1804 है, जो कम्बम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कम्बम (पत्र सं० 1603/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के ब्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हलीमा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मधुरे जिला, कम्बम, प्र० सं० 1818 (1.61 एकड़), 1805/1 (1.81 एकड़), 1806/(2.17 एकड़), और 1804 (0.29 एकड़) में 5.88 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 20 जनवरी 1977

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती टी० आयोशा बी०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) श्री ग० अब्दुल गफ्त०।

(अन्तरिती)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1977

निदेश सं० 6/सितम्बर/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 80 है, जो पेरियवरिवाकम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बूर (पत्र सं० 1288/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत फी गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या दससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्त आरकाट जिला, पेरियवरिवाकम गांव एस० सं० 80 में 4.99 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29 जनवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप शाई० ई० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत राजकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1977
निदेश सं० 8/सितम्बर/76-77—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उष्टु अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उद्दिश बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 81, परियवर्तिवाक्यम और 1, 2, 6 का है, जो
तुतियापेट गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बूर
(पत्र सं० 1290/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उष्टु अन्तरण लिखित में वास्तविक
इप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण रो हुई किसी आय की बाबत, उष्टु
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उष्टु अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उष्टु अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं उष्टु अधिनियम की धारा 269घ (1) के अधीन,
निम्नलिखित ध्यक्तियों, प्रथतः:—

- (1) श्रीमती टी० आयीणा बीबी। (अन्तरक)
(2) श्रीमती मुमनास बीगम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उष्टु संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उष्टु स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
विस्तर अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में विए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उष्टु
अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

- (1) नार्त आरकाट जिला, पेरियवरिवाक्कम गांव एस०
सं० 81 में 1. 95 एकड़ खेती की भूमि।
(2) नार्त आरकाट जिला, तुतियापेट गांव एस० सं० 1
(1. 57 एकड़), 2(0. 99 एकड़), 6(0. 96 एकड़), 7(0. 61
एकड़), और 322/4(0. 18 एकड़) में 4. 31 एकड़ खेती की
भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 29 जनवरी 1977
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री जनाव काका मोहमद जुबेर (अन्तरक)

(2) प० हंडिबूर गहमान मन्म, (श्री प० मोहमद अब्दुल
के द्वारा) (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II

मद्रास-600006, दिनांक 2 फरवरी 1977

निवेश सं० 5326/76-77—यतः, मुझे, एम० राजरटनम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 5, पिरम्बूर बेरक्स रोड, मद्रास 12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II मद्रास (आकुमेण्ट 3135/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—466GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के 1% के निए कार्यवाहियाँ फरता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 12, पिरम्बूर बेरक्स रोड, डोर सं० 5 में 11324 स्क्युर फीट (मकान के साथ)। (नया एस० सं० 1856/17, ब्लॉक 29, पुरसावाक्कम)।

एस० राजरटनम,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 2 फरवरी 1977

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ वा ४३) की धारा
२६९व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा, दिनांक 28 जनवरी, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० ३७८—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ६/२१० बी० ९-२१-१०५ है, जो राजमन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन २-६-१९७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-व की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. (१) श्री अलमपुरी नारायण मूर्ती (२) आलमपुरी राज्यतक्षी गरटाला, (अन्तरक)
2. श्रीमती पोलु वनजलक्ष्मी, राजमन्डी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०क में परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रिजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत १५-६-७६ में पंजीकृत दस्तावेज नं० १५६५/७६ में निगमित अनुसूची सम्पत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28 जनवरी 1977
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा, विनांक 28 जनवरी 1977

सं. आर० ए० सी० नं० 379—यतः, मुझे, बि० वि० सुब्राह्मण्यम्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं. 6/210 बी० 9-21-105 है, जो राजमन्डी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री आलमूरी नारयण मूर्ती, (2) आलमूरी
राजय लक्ष्मी गरटाला। (अन्तरक)
- 2. पोलु वेंगला रेडी, राजमन्डी (अन्तरिती)
- 3. श्रीमती पोलुवनज लक्ष्मी एटल विक्रम, राजमन्डी।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोलस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रिजिस्ट्री अधिनियम में पाक्षिक अंत 15-6-76 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1566/76 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि० सुब्राह्मण्यम्,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 28 जनवरी 1977

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. (1) श्री चेन्नौभोल्ल राधाकृष्ण मूर्ती (2) चेन्नौभोल्ल
अच्चुता रामिया काकिनाडा (अन्तरक)
3. श्रीमति संगिसेट्टी लक्ष्मीकान्तम, बि० कोत्तूर ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० न० 381—यतः मुझे, बि० वि०
सुन्नबाराब,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', बहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है
(और जिसकी सं० 105 और 60/1 है, जो बि० कोत्तूर में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिनियम से पालिक अंत 15-6-76
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 1313/76 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ती ।

बि० वि० सुन्नबाराब,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 31 जनवरी 1977
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्री चेन्नुभोटला राधाकृष्णमूर्ती, (2) चेन्नुभोटला
प्रयुतरामथ्या, काकिनाडा।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती संगिसेट्टी कांतम वि० कोत्तूर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

काकिनाडा, विनांक 31 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 380—यतः, मुझे, वि० वि०
सुन्दराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 वा०
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 93 और 95 है, जो वि० कोत्तूर में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-6-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्ववस संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यनितियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

धनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी सं पाकिश क्रंत 15-6-76 मे०
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1315/76 मे० निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

वि० वि० सुन्दराव,
सकम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एम०वि० काकिनाडा

तारीख : 31 जनवरी 1977

मोहर :

प्रूल्प प्राईंड टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० 140-एस/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 127-ए है तथा जो सिविल लाइन, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख

8-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास यहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इन्सरण से हृदृष्टि विसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चन्द्र (अन्तरक)
2. श्री सुरेश कुमार चौपड़ा (अन्तरिती)
3. बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोमस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नम्बर 127-ए जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-2-1977

मोहर :

अधीनस्थ सेवा आयोग
विज्ञापन

निपिक श्रेणी परीक्षा (ग्रुप घ कर्मचारियों के लिए), 1977
दिनांक 19 फरवरी 1977

सं० 13/5/76-ई० ए०—उपर्युक्त विभागीय, प्रतियोगिता परीक्षा अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा 2 सितम्बर, 1977 को दिल्ली तथा विदेशों में स्थित चुने हुए भारतीय मिशनों में केन्द्रीय सचिवालय निपिक सेवा, मशस्त्र सेना मुख्यालय निपिक सेवा के अवर ग्रेड में, भारतीय विवेश सेवा (ख) की श्रेणी VI में तथा संसदीय कार्यविभाग, नई दिल्ली में निपिकों के पदों में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए ली जायेगी। यह परीक्षा उपर्युक्त सेवाओं में आने वाले मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों में काम करने वाले ग्रुप घ कर्मचारियों के कुछ वर्गों के लिए ही सीमित है जो कि निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं:—

- (क) सेवा अवधि: 1 जनवरी 1977 को ग्रुप घ में या उससे ऊचे पद पर कम से कम पांच वर्ष की प्रमाणित और लगातार सेवा कर चुके हों।
- (ख) आयु: 1 जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से अधिक नहीं हों। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आक्षिम जाति

उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट होगी।

(ग) गैक्षणिक योग्यता: वे मैट्रिक्युलेशन या उम्मीदवारों के समकक्ष परीक्षा पास कर चुके हों।

इस परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को कोई फीस नहीं देनी होगी।

पूरे विवरण तथा आवेदन-पत्र अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम डिल्ली 1, रामकृष्णपुरम् नई दिल्ली-110022 को 1.00 रुपया (रिकार्डिङ डिलीवरी सिस्टम द्वारा आवेदन-पत्र मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखित (प्राप्त कर्तालेखा) भारतीय पोस्टल ग्राहर, जो अधीनस्थ सेवा आयोग को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाक घर, नई दिल्ली पर देय हो, भेजकर प्रथवा आयोग के कार्यालय के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 21 अप्रैल, 1977 (विदेशों में तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 5 मई, 1977) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

मदन लाल,
सचिव

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st February 1977

No. F.6/77-SCA(I).—Shri Amreek Singh, Librarian, Supreme Court of India retired from the services of this Registry with effect from the afternoon of 31st January 1977.

R. SUBARAO,
Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 1st February 1977

No. F.2/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to confirm and appoint Shri R. Subba Rao substantively in the post of Deputy Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 28th January 1977.

S. K. GUPTA,
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
ADMINISTRATION-I SECTION

New Delhi-110011, the 16th December 1976

No. P/1877-Admn.I.—Dr. R. Bhaskaran, Lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, who was earlier appointed as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission for a period of two months w.e.f. the forenoon of 13th October 1976, *vide* UPSC notification of even number dated 19th November 1976 has been further appointed to the post of Under Secretary upto 12th October 1978 (A.N.), or until further orders whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary.
for Chairman Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 29th December 1976

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Analyst in the Commission's office for the period from 3rd January 1977 to 28th February 1977 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E-III/60, dated the 4th May 1961 as amended from time to time.

The 7th January 1977

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Jagdish Lal, Assistant Superintendent (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis, as Section Officer (D.P.) in the Commission's Office for the period from 23rd December 1976 to 28th February 1977, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 12th January 1977

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 16th December 1976 to 30th January 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant

of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 3rd January 1977 to 28th February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(4).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 53 days from 31st December 1976 to 21st February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(5).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 53 days from 31st December 1976 to 21st February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The 20th January 1977

No. A.32014/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17th January 1977 to 3rd March 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st January 1977

No. A.19036/19/76-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri N. K. Tripathi, an officer of Rajasthan State Police as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on deputation, with effect from the forenoon of 10th January 1977 until further orders.

P. S. NIGAM,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th January 1977

No. E-16013(2)/12/73-Pers.—On repatriation to his parent cadre on completion of his term of deputation Shri B. J. Misar, IPS (Maharashtra-1958) relinquished the charge of the post of Group Commandant, Group HQs. CISF, Bombay with effect from the afternoon of 30th November 1976.

The 14th January 1977

No. E-16013(2)/8/74-Pers.—On repatriation to his parent State on the expiry of his term of deputation Shri A. V. B. Mudaliar, IPS (Mah.-1964) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit FCI Trombay with effect from the afternoon of 3rd December 1976.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector N. K. Anand to officiate as Assistant Commandant, CISF Unit, IPCL, Baroda, with effect from the forenoon of 4th October 1976 until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

The 20th January 1977

No. E-16013(2)/2/77-Pers.—On transfer on deputation from M.P. State Police Shri Narendra Prashad, IPS (M.P.-1962), assumed the charge of the post of Asstt. Inspector General, CISF with Hqrs. at New Delhi with effect from the afternoon of 17th January 1977.

The 22nd January 1977

No. E-38013(2)/7/76-Pers.—On transfer to Delhi Shri G. R. Khosla, Comdt. CISF Unit KCP Khetri, relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of 17th Day of September 1976.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector S. N. Singh to officiate as Asstt. Comdt., CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 27th November 1976, until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—On transfer from Durgapur, Shri J. L. Sharma relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of 29th September 1976 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, F.C.I., New Jalpaiguri with effect from the forenoon of 2nd October 1976.

The 30th January 1977

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector J. L. Sharma to officiate as Assistant Commandant, CISF Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of 7th September 1976 until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the said date.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 28th January 1977

No. 11/13/75-Ad.I.—The President was pleased to replace the services of Shri H. P. Rymbai at the disposal of the Government of Meghalaya with effect from the afternoon of 3rd January 1977. Shri Rymbai relinquished charge of the office of the Assistant Director of Census Operations, Meghalaya with effect from the same date.

The President was also pleased to appoint Shri V. P. Rustagi, Investigator in the office of the Registrar General India as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 3rd January 1977 upto 28th February 1977.

The headquarters of Shri Rustagi will be at Shillong.

The 29th January 1977

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 16th September 1976 and on the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. Y. Revashetti, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Karnataka as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on an *ad-hoc* basis with effect from 1st January 1977 upto 28th February 1977 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Revashetti will continue to be at Bangalore.

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 16th September 1976 and on the recommendation of the Union Public Service Commission, The President is pleased to continue the appointment of Shri 8-466GI/76

D. P. Chatterjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bengal as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on an *ad-hoc* basis with effect from 1st January 1977 upto 28th February 1977 or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Chatterjee will continue to be at Calcutta.

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 16th September 1976 and on the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. E. Choudhari, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on an *ad-hoc* basis with effect from 1st January 1977 upto 28th February 1977 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Choudhari will continue to be at Bombay.

BADRI NATH,
Dy. Registrar General, India and
ex-officio Dy. Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-1, the 29th January 1977

No. Admn. I/947-II/5158-5127—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following officiating Accounts Officers borne on the Joint Cadre of this office and the office of the Accountant General, Central, Calcutta in substantive capacity in the Accounts Officer's grade with effect from the date noted against each.

Serial No.	Name of the officer	Date of confirmation
S. Shri		
1. Manish Chandra Sengupta	. . .	1-2-76
2. R. Kalyanaraman	. . .	1-4-76
3. Prabhat Kr. Biswas	. . .	1-6-76
4. Nirode M. Banerjee	. . .	1-9-76
5. Sailendra Narayan Das	. . .	1-9-76
6. Narayan Chandra Modak	. . .	4-9-76
7. Monoranjan Das Mahapatra	. . .	1-1-77
8. Sadananda Chakraborty	. . .	1-1-77

S. C. SINGHAL
Sr. Dy. Accountant General
(Admn)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th January 1977

No. 86016(14)/76-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri N. Gopalan, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000), with effect from 5th January 1977 (FN), until further orders.

The 31st January 1977

No. 18288/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Har Narain Malhotra, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 30th September 1977 (AN).

P. K. RAMANUJAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 31st January 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/1125/76-Admn(G)/634.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Seal officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta relinquished charge of that post on the afternoon of the 31st December 1976.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

New Delhi, the 2nd February 1977

No. Admn(CDN)O.O./93.—The Chief Controller of Accounts with the concurrence of Controller General of accounts, Ministry of Finance has been pleased to accept the resignation of Shri B. M. L. Kapoor, Accounts Officer in the office of the Dy. Controller of Accounts, Department of Supply, Bombay w.e.f. 15-1-1977 A.N. The name of Shri B. M. L. Kapoor has, therefore, been struck off from the rolls of C.C.A.'s Organisation w.e.f. 15th January 1977 A.N.

JAI LAL,
Dy. Controller of Accounts

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 29th January 1977

No. A-1/1(82).—On his reversion to the post of Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, Shri P. P. Kapoor relinquished charge of the office of Deputy Director General with effect from the afternoon of 18th December 1976.

The 1st February 1977

No. A-1/1(1073).—On his reversion to the non-gazetted post of Superintendent in the office of the Directorate of Supplies (Textiles), Bombay Shri D. R. Mane relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies (Textiles), Bonibay with effect from the afternoon of 19th January 1977.

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 27th January 1977

No. A-17011/116-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Gurmuikh Singh, permanent Examiner of Stores (Tex.) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the same Inspectorate under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 3rd January 1977, until further orders.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th January 1977

No. 14/76/19A.—Shri D. K. Roy Chowdhury, Cost Accountant (ad-hoc), Geological Survey of India is appointed as Cost Accountant in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th November 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN,
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 31st January 1977

No. F.11-14/76-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Prithvi Raj Malik, as Archivist (General) (Class II-Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 27th January 1977, until further orders.

No. F.11-14/76-A.1.—Shri Nirmal Kant, Asstt. Archivist Gr. I (General) is appointed to officiate as Archivist (General) (Group B-Gazetted) on purely ad-hoc basis w.e.f. 27th January 1977 (F.N.) and until further orders. This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N. PRASAD,
Director of Archives

DIRECTOR GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 29th January, 1977

No. A 12011/13/76-S/II.—The following permanent Section Officers of the Office of the Accountant General Central Revenues, New Delhi, are appointed to officiate as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—1200 in the Offices and with effect from the dates mentioned against each for a period of one year :—

Sl. No.	Name	Date of Joining	Office
1. Shri O. P. Pruthi .	18-12-76 (F.N.)	Office of the Station Engineer, Central Purchase & Stores Doordarshan, New Delhi.	
2. Shri L. N. Saxena .	5-1-77 (F.N.)	Office of the Controller of Sales : Doordarshan Commercial Service, New Delhi	

They will be on deputation and will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 10 (24) E-III 60 dated the 4th May, 1961, as emended from time to time

R. K. KHATTAR
Dy. Director of Admn.
For Director General.

New Delhi, the 31st January 1977

No. 55/49/76-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri E. M. Massey, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, New Delhi as Programme Executive at the same Kendra on an ad-hoc basis with effect from the 6th December 1976 and until further orders.

No. 55/50/76-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri S. P. Tandon, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, New Delhi as Programme Executive at the same Kendra on an *ad-hoc* basis with effect from the 3rd December 1976 and until further orders.

R. N. MALIK,
Director (Finance)
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 24th January 1977

No. A.12025(ii)/1/76-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri M. P. Sinha, Offg. Asstt. Cameraman in the Films Division, Bombay to officiate as Cameraman in the same office with effect from the forenoon of the 11th January 1977 vice Shri H. S. Kapadia, Permanent Cameraman, granted leave.

M. K. JAIN,
Administrative Officer
for Chief Producer

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 25th January 1977

No. F.4-6(114)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ram Vithoba Kothe has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II, in this Directorate at Calcutta, with effect from 30th December 1976 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Nagpur, the 31st January 1977

No. F.74/15/72-D.J.—I. J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1)SRO 3184 dated the 28th December 1956 (2) 83 dated the 29th July 1961 (3) 3752 dated the 26th December 1955 and (4) 157 dated the 22nd June 1963 and GSR 904 dated 27th June 1964 hereby authorise Dr. A. K. Srivastava, Marketing Officer attached to the Senior Marketing Officer, Incharge, WR, Bombay to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of Essential Oils and Vegetable Oils which have been graded in accordance with Essential Oils Grading and Marking Rules, 1954 and Vegetable Oils Grading and Marking Rules, 1955 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

J. S. UPPAL,
Agricultural Marketing Adviser

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
HEAVY WATER PROJECTS**

Bombay-400008, the 25th January 1977

No. 05000/S-247/377.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gati Krishna Sahoo to officiate as Labour-cum-Welfare Officer, in Heavy Water Project (Talcher), in a temporary capacity, with effect from the forenoon of January 5, 1977 until further orders.

No. 05000/P-164/376.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri G. Padmanabhan, an officiating Assistant in Public Works Department of Government of Tamil Nadu on deputation to Madras Atomic Power Project, Department of Atomic Energy as Selection Grade Clerk, to

officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from March 30, 1976 (F.N) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

**DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE**

**SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES
PERSONNEL AND GENERAL ADMINISTRATION**

Nellore, the 10th January 1977

No. SCF/P&GA/E.IV/1.72.—The resignation tendered by Kum Usha Doss, Engineer SB in the SHAR Range, ISRO of Department of Space is accepted with effect from the afternoon of 6th January 1977.

Sd/- ILLEGIBLE
Controller
for Director
SHAR Centre

**MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 29th January 1977

No. E(I)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Prof. Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of SEVENTYFOUR days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Raja, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.

No. E(I)04304.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. Chaudhury, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Pune, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Chaudhury, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director (Instruments), Pune.

No. E(I)05131.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Prof. Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTEEN days with effect from the forenoon of 10th January 1977 to 8th April 1977.

Shri Seshadri, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)05868.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventytwo days with effect from the forenoon of 19th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Chander Parkash, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)06059.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventysfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Gupta, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)06560.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. C. Mehra, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyseven days with effect from the forenoon of 14th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Mehra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)06736.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Bansal, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyseven days with effect from the forenoon of 14th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Mehra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)07284.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. R. Arora, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Arora, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director of Observatories, New Delhi.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 1st February 1977

No. E(I)06341.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Kazi, officiating Professional Assistant, office of the Director, Agricultural Meteorology, Pune as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Services, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th December 1976.

Shri Kazi remains posted in the office of the Director, Agricultural Meteorology, Pune.

M. R. N. MANIAN,
Metorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th January 1977

No. A.35021/1/74-ES.—On reversion from deputation on foreign Service to Bokaro Steel Ltd. Shri T. K. Moitra reported for duty as Aircraft Inspector in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta in the forenoon of the 23rd August 1976.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 2nd February 1977

No. A.19012/1/77-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. R. Rajput as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 22nd January 1977 (A.N.) on *ad-hoc* basis and until further orders, and post him in the Office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th January 1977

No. A.19013/18-A/72-EH/E.I.—On attaining the age of superannuation, Shri K. S. M. Rao, retired from Government service and relinquished charge of the Office of the Regional Director, Madras Region, Madras on the afternoon of the 31st December 1976.

P. C. JAIN,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 23th January 1977

No. A.38013/1/77-EC.—Shri K. Swaminathan, Assistant Communication Officer in the office of the Regional Director, Madras relinquished charge of his office on the 31st December 1976 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director (Administration)

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 29th January 1977.

No. 1/77.—The following Office Superintendents are appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officers in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi in the leave vacancies of the Assistant Chief Accounts Officers as shown against them w.e.f. 17th January 1977 (F.N.) and until further orders:—

1. Shri A. R. Sharma *vice* Shri B. K. Hajra, A.C.A.O.
2. Shri M. C. Mullick *vice* Shri S. N. Verma, A.C.A.O.
3. Shri T. R. Sharma *vice* Shri K. D. Math, A.C.A.O.

Sd/- ILLEGIBLE
Director of Inspection

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th January 1977

No. 30/2/76-ECIX.—The President is pleased to confirm the following officiating Architects/Senior Architects in the General Central Service Group A in the Central Public Works Department in the Grade of Architects with effect from the dates indicated against each:—

S. No., Name and Date from which confirmed
S/Shri
1. M. K. Rishi—23-4-69.
2. Joginder Bahadur—23-4-69.
3. I. D. Mathur—23-4-69.
4. M. B. Saxena—7-5-69.
5. R. C. Manchanda—15-9-69.
6. M. L. Rajadnya—26-6-70.
7. A. K. Dass Gupta—12-5-71.
8. K. R. Jani—23-12-71.
9. Sangat Singh—22-6-72.
10. T. K. D. Barman—19-9-72.
11. J. R. Jadhav—23-10-72.
12. J. Kothari—17-3-73.
13. S. D. Satpute—10-6-73.
14. W. R. Shihurkar—24-6-73.
15. B. S. Duggal—23-1-74.
16. I. M. Bhatia—1-5-74.
17. M. S. Sharma—1-5-74.

S. S. P. RAU,
Dy. Director of Administration
for Engineer in Chief

New Delhi, the 18th January 1977

No. 30/7/75-ECI.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in C.E.S. Group 'A' with effect from the dates indicated against their names:

S. No. Name and Date of confirmation

S/Shri

1. Dharam Pal—26-10-74.
2. J. M. Swaroop—9-10-74.
3. R. C. Gupta—9-10-74.

No. 30/13/76-E.C.I.—The President is pleased to confirm Shri A. K. Sinha in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in Central Engineering Service, Group 'A' in the Central P.W.D. with effect from 1st January 1974.

No. 30/13/76-ECI.—The President is pleased to confirm Shri Mahendra Singh, in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in C.E.S. Group A. with effect from 8th November 1973.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 28th January 1977

No. 27-AE/G(6)/74-ECII.—Shri D. N. Gupta, Asstt. Executive Engineer, 'B', Central P.W.D. expired on 13th December 1976.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 18th January 1977

No. 1/13/76-Adm.II.—Following recommendations of the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Ram Singh to the grade of Extra Assistant Director (Scientific) in the Central Electricity Authority, New Delhi with effect from the forenoon of 21st December 1976 until further orders.

2. Shri Ram Singh would be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

P. M. SIRAJUDDIN,
Under Secy.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 20th January 1977

No. 4.—The following Asstt. Officers of IRTS Deptt., have finally retired from Rly. service from the dates noted against each.

1. Shri Ram Saran Dass Gupta ATO (PC)/HQ. 30-9-76 A.N.
2. Shri K. L. Sabharwal AOS (CB-9)/DLI 31-12-76 A.N.

S. C. MISRA,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dholpur Agro & Cottage Industries Private Limited.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1190/6587.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Agro & Cottage Industries Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dholpur Colonisers & Agro Development Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1193/6589.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Colonisers & Agro Development Company Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Financiers & Investors Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1198/6591.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Financiers & Investors Company Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Rajasthan Farmers Company Private Limited*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1192/6593.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rajasthan Farmers Company Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Commercial & Agro Products Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1201/6595.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Commercial & Agro Products Pvt. Ltd unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Mercantile & Investment Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1199/6597.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Mercantile & Investment Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dholpur Agriculture Company Private Limited*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1194/6599.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the

name of Dholpur Agriculture Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Horticulture & Agriculture Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1197/6601.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Horticulture & Agriculture Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
B. A. Hardware Mart Private Ltd.*

Bombay-2, the 27th January 1977

No. 3422/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. B. A. Hardware Mart Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GANJWANI
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mazdoor Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 31st January 1977

No. Stat/1241.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mazdoor Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Pullanbadi Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 23rd November 1976

No. 4144/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pullanbadi Transports Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. N. K. Mani and Company Private Limited*

Madras-600 006, the 23rd November 1976

No. 4261/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956

that the name of M/s. N. K. Mani and Company Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Madras Engineering Works Private Limited*

Madras-600 006, the 23rd November 1976

No. 5108/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s. Madras Engineering Works Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamilnadu.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Indian Overseas Exhibitions and Publications Ltd.*

Hyderabad, the 31st January 1977

No. 1018/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of the Indian Overseas Exhibitions and Publications Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhagnagar Pictures Limited*

Hyderabad, the 29th January 1977

No. 837/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Bhagnagar Pictures Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 24th January 1977

I. TAX ESTABLISHMENT

Subject: Establishment—Gazetted—Income-tax Officers
(Class II)—Confirmation of—

No. Est.I/CII(I)/DPC(CII.II)/Confirmation/73-74 to 76-77/35024.—Shri D. N. Sachdeva, is appointed substantially to the permanent post of Income-tax Officer (Class II) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 (subsequently revised to Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200), with effect from the 14th April, 1972.

The date of confirmation is subject to modification at a later stage, if found necessary.

AVtar Singh,
Commissioner of Income Tax.

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudesh Chandra Chopra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st February 1977

Ref No. 140-S/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kathi No. 127-A situated at Civil Line, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 8-6-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

A Kathi No. 127-A situated at Civil Line Bareilly.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chiranjit Singh, Jagjeet Singh WG-435, Suraj Ganj, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st January 1977

Ref. No. AP-1640/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Kapurthala—Road, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s Pardeep Auto Industries, Khingra Gate, Jullundur.
(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2 Kanals, 3 marlas land as Kapurthala Road, Jullundur mentioned in the Registration Deed No. 743 of May 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Charanjit Singh, Jagjeet Singh, WG-435, Suraj Ganj, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Pardeep Industries, Gill Road, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 31st January 1977

Ref. No. 1641/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kapurthala Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Kanals 3 marlas land as Kapurthala Road, Jullundur mentioned in the Registration Deed No. 744 of May 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

9—466GI/76

Date : 31-1-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tara Singh S/o Shri Jawala Singh S/o Dewan Singh R/o Bara Pind Teh. Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st January 1977

Ref. No. AP-1642/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Phillaur in May 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Parkash Kaur Wd/o Shri Sucha Ram S/o Shri Shankar Dass R/o Sapror Nangal, Teh. Phagwara Through Shri Rura Ram C/o Surinder Auto Works, Railway Road, PHG.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1 Kanal land at Mehil (Goraya) mentioned in the Registration Deed No. 373 of May 1976 of the Registering Authority, Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal s/o Gurdial Singh s/o Shri Achru Ram Saini Resident of Bahadurpur (Hoshiarpur).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd February 1977

Ref. No. AP-1643/76-77/HSP.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bahadurpur (HSP) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Krishan Dass s/o Shri Basanta Mal Sud Resident of Bahadurpur (Hoshiarpur).
(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Kanal 13 Marlas land at Bahadurpur District Hoshiarpur as mentioned in the Registered Deed No. 679 June 1976 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Singh s/o Sant Partap Singh s/o Dharam Singh Resident of Kashmiri Bazar Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D() OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babu Ram s/o Shri Chint Ram s/o Amin Chand Resident of Arya Nagar, Hoshiarpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 2nd February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1644/76-77/HSP.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at _____ (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashmiri Bazar Hoshiarpur, June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income by any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One shop situated in Kashmiri Bazar Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1135 June, 1976 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd Feb., 1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mukand Lal Sapra Advocate s/o Ganesh Dass
s/o Sahib Ram Bazar Vakilan, Hoshiarpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 2nd February 1977

Ref. No. AP-1645/76-77/HSP.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per Schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on July 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to receive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Pushpa Wati w/o Shri Om Parkash s/o Kishori Lal, Committee Bazar, Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As St. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B2-1516/3, Bazar Vakilan, Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1619 July 1976 of Registration Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd Feb., 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Parkash Kaur D/o Shri Bhag Singh Resident of Banga.
(Transferor)

(2) Smt. Jagir Kaur w/o Gurmail Singh, Shri Nirmal Singh s/o Bhag Singh Banga.
(Transferee)

*(3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd February 1977

Ref. No. AP-1646/76-77/Nawanshahar.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

18 Marlas land in Khatkar Khurd, 15 Kanal 16 marlas land at Banga, as mentioned in Registration Deed No. 1699 of June, 1976 of Registering Authority Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd Feb., 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jaswant Singh s/o Sher Singh s/o Gujar Singh
R/o Kartarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd Februry 1977

Ref. No. AP-1647.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Judge 1st Class Jullundur on 7-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Krishna Devi wd/o Shri Balyant Singh s/o Gujar Singh Th. Attorney Mehar Chand Sahni Municipal Commissioner, s/o Bhola Ram, Furniture Bazar and Dharam Pal s/o Jagdish Ram Cloth Merchant, Arya Bazar, Kartarpur.

(Transferee)

*(3) As at Serial No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As stated in the order of Sub Judge 1st Class, Jullundur, vide his Order No. 307 of 1970 dated 7-5-1976.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jallundur

Date : 2nd Feb., 1977.
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Charanjit Lal Bhasin s/o Shri Mohan Lal Bhasin R/o House No. 3144, Sector 27-D Chandigarh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1977

Ref No. CHD/29/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 116, Sector 20-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Sary Dayal s/o Shri Jhanda Mal R/o House No. 134, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Nav Bal Niketan Society through its Secretary Shri Ravi Chander R/o 1467, Sector 22-B, Chandigarh, 2. Shri Gulshan Lal s/o Shri Charanjit Lal, 3. Shri Chuhar Ram s/o Shri Atma Ram, 4. Shri Shyam Lal all residents of 116, Sector 20-A Chandigarh. (Persons in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 116, Sector 20-A, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st February 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sheel Chand Jain s/o Shri Gokal Chand Jain
R/o Khatauli, Distt. Muzzaffarnagar (U.P.).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1977

Ref. No. CHD/36/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 72, Sector 2, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Mohinder Singh and Smt. Rajkulbir Kaur w/o Shri Bhupinder Singh both residents of House No. 56, Sector 9, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

10—466GI/76

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st February 1977,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajan Lal s/o Shri Daulat Ram and Smt. Bholi Swarni W/o Shri Harbhajan Lal through their attorney Shri Suraj Prakash Khanna s/o Shri Bhim Sain Khanna R/o 1669, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Kala Wati W/o Shri Vidya Sagar Gupta, (ii) Shri Subhash Gupta and (iii) Shri Vinod Gupta ss/o Shri Vidya Sagar Gupta, R/o House No. 1066, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1977

Ref. No. CHD/38/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ru. 25,000/- and bearing House No. 1041, Sector 27-B, situated at Chandigarh, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1041, Sector 27-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st February 1977,

Seal :

FORM DTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd February 1977

Ref. No. KNL/14/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of property known as 'Ashok Rice Industries' situated at Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Naresh Kumar, (ii) Shri Anil Kumar s/o Shri Prem Nath alias Prem Chand (iii) Smt. Padma Rani w/o Shri Prem Chand and (iv) Shri Suresh Chand s/o Shri Prem Chand through his General Attorney Shri Deepak Dewan s/o Shri Jado, Kun, all of 2, Nai Market, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal.

(Transferee)

(3) (i) S/Shri Naresh Chand and (ii) Pokhan Mal s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal. (iii) Siri Ram s/o Shri Gopal Dass Mahajan Aggarwal, R/o Asandh, Teh. & Distt. Karnal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of all buildings and land measuring 11427 sq. yds. comprised in Khasra Nos. 1514 and 1515 i.e. property known as 'Ashok Rice Industries' situated on Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal and bounded as under :—

North—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

South—Suresh Rice Mills.

East—Hansi Road and main gate.

West—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4896 of June, 1976 of the Registering Authority, Karnal.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 3rd February 1977.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Chand s/o Shri Benarsi Dass, Shop No. 3, Nai Mandi, Karnal.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH**

Chandigarh, the 3rd February 1977

Ref. No. KNL/40/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of property known as 'Ashok Rice Industries' situated at Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Naresh Chand, S/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal.
(Transferee)

(3) S/Shri (i) Prem Chand and (ii) Pokhar Mal ss/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal. (iii) Siri Ram s/o Shri Gopal Dass Mahajan Aggarwal R/o Asandi, Teh. & Distt. Karnal. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of all buildings and land measuring 11427 sq. yds. comprised in Kharsa Nos. 1514 and 1515 i.e. property known as 'Ashok Rice Industries' situated on Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal and bounded as under :—
North—Land of Smt. Balwant Kaur and others.
South—Suresh Rice Mills.
East—Hansi Road and main gate.
West—Land of Smt. Balwant Kaur and others.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5206 of June, 1976 of the Registering Authority, Karnal.)

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 3rd February 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Lal s/o Shri Benarsi Dass Aggarwal,
Shop No. 3, Nai Market, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd February 1977

Ref. No. KNL/41/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of property known as 'Ashok Rice Industries' situated at Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(2) Shri Pokhar Mal s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal.

(Transferee)

(4) (i) S/Shri Prem Chand and (ii) Naresh Chand s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal, (iii) Shri Sril Ram s/o Shri Gopal Dass Mahajan Aggarwal R/o Asandh, Teh. & Distt. Karnal,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of all buildings and land measuring 11427 sq. yds. comprised in Khasra Nos. 1514 and 1515 i.e. property known as 'Ashok Rice Industries' situated on Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal and bounded as under :—

North—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

South—Suresh Rice Mills.

East—Hansi Road and main gate.

West—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5322 of June, 1976 of the Registering Authority, Karnal.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 3rd February 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shrimant Madhav Rao Scindia S/o Late H. H. Jivajirao Scindia, R/o Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Basant Bihar Sahakari Sanstha Maryadit through its President Shri Hari Prasad Agrawal, Birlanagar, Gwalior.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 28th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/785.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. Open land admeasuring 8,02,650 sq. ft. situated at Jai Vilas Palace, Gwalior situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 17-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 8,02,650 sq. ft. situated at 'Jai Vilas Palace', Gwalior.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :
Date : 28-1-1977.

FORM ITNS

(1) Shri Jayantibhai S/o Shri Narainji Bhai Patel, R/o 33, Sheelnath Camp, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

(2) Shri Sudarshan Kumar Bandi, R/o 10, Guru Govind Singh Market, 1st Floor, Sikh Mohalla, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 19th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/786.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot No. 18, situated at Diamond Club initially part of the property bearing Municipal No. 5/1 situated at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 8-7-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18, situated at Diamond Club initially part of the Property bearing Municipal No. 5/1, situated at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 19-1-1977.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Rajendra Kumar S/o Shri Banwarilal Dagdi, R/o 50, Radha Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Shri Avtar Singh; (ii) Shri Ajit Singh S/o Shri Sujan Singh Tuteja, both R/o 97, Gopal Bagh Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 19th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/787.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Built on Plot No. 97, situated at Gopal Bagh, Manik Bagh Road, Indore situated at Indore (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-8-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

House Built on Plot No. 97, situated at Gopal Bagh, Manik Bagh Road, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Malti Bai wd/o Shri Manohar Buty, R/o Ward No. 7, Balaghat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (a) Shri Mulam Chand S/o Shri Gulzarilal Jain, R/o Buty Chawl, Ward No. 7, Balaghat.

(b) Shri Tarachand S/o Shri Dulichand Jain, R/o Ward No. 9, Balaghat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/788.—Whereas I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Khasra No. 262/168 Area 10,000 sq. ft. situated behind Buty Chawl, Ward No. 7, Balaghat (M.P.) situated at Balaghat (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 30-8-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Khasra No. 262/168 Area 10,000 sq. ft. situated behind Buty Chawl, Ward No. 7, Balaghat (M.P.).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

111—L 466 GI|76

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th January 1977

Ref. No. Acq.23-I-1165(558)/11-4/75-76.—Whereas, J. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 752 to 759 & 765 to 772 of City Survey Wd-3 situated at Mahatma Gandhi Road and New S.T. Bus Stand Road, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 29-6-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Bhagwandas Parshottam, Manek Chawk, Porbandar.
(ii) Shri Hargovindas Vithaldas, Masjid Bunder Road, Gaya Building, 2nd Floor Bombay-3.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Narsi Ramji Jungi, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.
(ii) Shri Babulal Velji Sindhav, C/o. M/s. Velji P. & Sons, Bunder, Porbandar.

(iii) Shri Harilal Anandlal Lakhani, Bharat Motor Works, Porbandar.
(Transferee)

Name of the Tenants

- (3) (1) Vanand Gordhandas Gokaldas, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (2) Shri Mohanlal Kalidas Radhani, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (3) Patel Jadavji Trikamji, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (4) Ramji Mavji Dhamelia, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (5) Daraji Ramji Lalji, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S. T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (6) Dhabhi Kara Ratanshi, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (7) Khushendrakumar Nenshibhai, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (8) Bhoy Dayalal Devaji, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (9) Vanad Gordhan Giga, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1050.7.11 sq. yds. and bearing City Survey Ward No. 3, Survey No. 752 to 759 and 765 to 772 known as Hari Bhuvan, situated at Mahatma Gandhi Road & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range-I, Ahmedabad

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nanalal Kunvarji Shah,
Jail Road, Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad the 2nd February 1977

Ref. No. Acq.23-I-1208(559)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,
being the Competent Authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 254/3, situated at Vadawa, Bhavnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 11-6-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Daxin Vibhag No. 2 Maldhari Gharbandhanari Sahakari Mandli Ltd., Bhavnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 2 Acres 2 Gunthas bearing Survey No. 254/3, situated at Vadwa, Bhavnagar.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-2-1977.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 28th January 1977

Ref. No. Acq/287/Hapur/76-77/309.—Whereas, I, L. N. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hapur on 29-6-76

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Janardan Kripal s/o B. Dau Dayal Ji, 2. Sri
Mohan s/o Sri Janardan Kripal R/o Rewati Kunj
Railway Road, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Prakash s/o Sri L. Raghubir Saran Ji Caste
Vaish Agarwal R/o Kasba Hapur, Mohalla Moti
Ganj First, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer, and/or

Immovable property $\frac{1}{4}$ portion of the building measuring 593
sq. yds. situated at Mohalla Rewati Kunj Railway Road,
Hapur, Distt. Meerut, transferred for an apparent considera-
tion for Rs. 40,500/-.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Cracknell R/o V. Mussorie, P. Dasana Teh.
Ghaziabad, Distt. Meerut (through her Attorney
A. Cracknell).

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 28th January 1977

Ref. No. Acq/219/Ghaziabad/76-77/310.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-7-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Shri Haji Nazir Ahmed s/o Tola Khan, 2. Anwar Ali, 3. Akhtar Ali, 4. Ahsan Ali, 5. Usman Ali sons of Haji, Nazir Ahmed, 6. Begum Sahiba w/o Ahsan Ali all r/o V. Mussorie Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Abadi Land measuring 15000 sq. yds. bearing No. 686 situated at V. Mussorie, P. Dasana, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration for Rs. 2,75,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1977

Ref. No. Acq/366/Roorkee/76-77/219.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 25-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Chand Gupta s/o Late Sri Shobha Ram R/o 48, Civil Lines, Kalba Roorkee, Parg P.O. and Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur through M/s. M. S. J. & Co., Khanzarpur, Roorkee, Dist. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shashi Kumari w/o Sri Jitendra Kumar R/o 180/14, Shcel Kunj, Roorkee, Vishwavidlaya, Roorkee, Parg P.O. & Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One plot measuring 12600 sq. ft. Khasra No. 355 and 356 situated at near Railway Station, Roorkee, on Station Road, Roorkee, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,800/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satya Prakash s/o Sri Baboo Lal R/o Shamli P.O. & Paro Shamli Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Ref. No. Acq/294/Kairana/76-77/306.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 2-6-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Devendra Kumar Jain s/o Sri Chhotan Lal Jain R/o Shamli P.O. & Parg Shamli Teh Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property $\frac{1}{2}$ portion of the building measuring 154 sq. meters situated at Shamli Dhimanpura Parg Shamli, Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 35,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satya Prakash s/o Sri Baboo Lal R/o Shamli P.O. and Parg Shamli Teh Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 29th January 1977

Ref. No. Acq/293/Kairana/76-77/308.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 2-6-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Sushil Kumar Jain s/o Sri Chhotan Lal Jain R/o Shamli P.O. & Parg Shamli Teh Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property + portion of the building measuring 154 sq. meters situated at Shamli Dhimanpura Parg Shamli Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 35,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Her Highness Maharani Urmilla Devi of Nabha w/o His Highness Sir Pratap Singh of Nabha R/o a No. 6 Panchcheel Marg, Chankypur New Delhi, Acting through Sri Sushil Kumar Vohra s/o Sri P. L. Vohra R/o Regal Buildings, Parliament Street New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Kaushalya w/o Sri Krishna Dev R/o Nawabganj Gonda Present address at Dilbar Estate Sardar Harman Singh Road, Mussoorie.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st January 1977

Ref. No. ACq/367-A/Mussorie/76-77/307.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 6-7-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—466GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One double story residential house measuring 2171 sq. ft. situated at Dilbar Estate, Sardar Harnam Singh Road, Charleville, Mussoorie, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1977

Ref. No. RAC No. 216/76-77.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land in Moodameedipalli, in S. No. 448-E Proddatur-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 21-6-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pathakota alias Golkonda Chinna Obul-Reddy, S/o Obul Reddy, R/o Modameedipalli—Village, Proddatur-Tq., Cuddappa Dist.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dornala Balireddy, S/o Balireddy, 2. Sri Dornala Gurvi-Reddy, S/o Balireddy, both residing at Modameedipalli, Village, Proddatur-Tq., Cuddappa Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land situated in S. No. 448-E at Modameedipalli, Village, Proddatur-Tq., Cuddappa Dist. and sold under document No. 2398/76 registered in the office of the Sub-registrar Proddatur. Extent of 10.50 Cents.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Yemikay Pandari, S/o Chinna Balaji, Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vittal Rao Dandgay, S/o Omaji Rao, Dandgay, R/o Andole Village, Andole-Tq., Medak-Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1977

Ref. No. RAC. No. 217/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-2-686 to 688 situated at Subadh Road, Station Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in June 76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground and First floor of premises No. 7-2-686 to 688 at Subadh Road, Secunderabad, registered in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad, vide Doc. No. 717/76.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 1st February 1977

Ref. No. 31/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 169/1 & 2 and 173 situated at Velur Village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 861/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s 1. M. Arthanari, 2. M. Venkatajalam, 3. A. Gunasekaran, Valur Mela Veedhi, Velur P.O. Salem district.

(Transferor)

(2) Smt. Sen Thamil Selvi, W/s Dr. Rangasamy, Sozhia Velalar Street, Velur P.O. Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.12½ acres in Survey Nos. 169/1 (0.09 acre), 169/2 (0.23 acre) and 173 (0.80½ acre) at Velur village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 1-2-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s 1. Muthappan alias C. Dharmar, 2. Rama-samy (minor) by father and guardian Shri Muthappan, 3. Muthuvairavan, alias C. Raynr, 4. Vairavan, 5. Anbazhagan and 6. Malarvallal minors by father and guardian Shri Muthuvairavan Cumbum, Madurai district.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. S. K. Subramaniam, S/o Shri Kamakshi Gaudar Uthamapuram, Cumbum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 101/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51/3B situated at Cumbum, Madurai district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Cumbum (Doc. No. 1501/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 acre and 3 cents in Survey No. 51/3B, Cumbum, Madurai district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st February 1977

Ref. No. 109/JUNE/76-77.—Whereas, J. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.100 situated at Fairlands, Alagapuram, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1942/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely.

- (1) 1. Smt. M. Manoranjithan, W/o Dr. C. Ardhanari,
2. Shri Muthu Goundar,
3. Shri Perianna Goundar,
4. Smt. Pappal, W/o Goundar,
5. Shri M. Soundararajan,
6. Shri M. Ramalingam,
7. Shri M. Rajamani
"Santhi Nilayam", Kachakaranur, Ammapalayam village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Chinnammal, W/o C. Krishnasami Goundar, Fairlands, Alagapuram village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7,551 sft. with building theron at door No. F. 100 (Survey No. 84/1), Fairlands, Alagapuram village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 1-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri L. Rajaguru, Thattumettu Theru, Sivakasi town.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Murugan Fire Works Industries, Thattu Mettu Theru, Sivakasi town.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 49/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 344/1A, 349/1, 332/7, 332/5A and 332/5B, situated at Visvanatham village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivakasi (Doc. No. 1227/76), on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Lands measuring 15 acres and 96 cents in survey Nos. 344/1A (9.22 acres), 349/1 (2.68 acres), 332/7 (0.50 acre), 332/5A (1.78 acres) and 332/5B (1.78 acres), at Visvanatham village, Sivakasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1977

Seal:

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 50/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 479/3A and 3B situated at Puthur village, Rajapalayam taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Seithur (Doc. No. 398/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s 1. Karuppiah Achari,
2. Kandasami, } minors by father and guardian
3. Karuppiah, } Shri Karuppiah Achari
4. Sakthivel
5. K. Palanisamy, s/o Karuppiah Achari,
Sevalpatti Street, Rajapalayam.
(Transferor)
- (2) Shri Paulraj Nadar, S/o Shri Thangiah Nadar,
Meenakshipuram, Puthur village, Rajapalayam taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 acres and 22 cents in survey Nos. 479/3A and 479/3B (with 3/4th undivided share in one well in S. No. 479/3A), Puthur village, Rajapalayam taluk.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 20-1-1977
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Halima, W/o Shri C. A. A. Jaffarullah,
Uthamapuram, Cumbum.
(Transferor)

(2) Shri Sivakumar (minor) by father and guardian
Shri Thathuraja Gounder, 350/8, Alamarathu
Street, Cumbum.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 100/JUNE/76-77.—Whereas, I, G.

RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1818, 1819 and 1820 situated at Cumbum, Madurai district,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cumbum (Doc. No. 1531/76) on 7-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 acres in survey Nos. 1820 (2.26 acres), 1819 (0.37 acre) and 1818 (3.37 acres) at Cumbum, Madurai district.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1977

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Halima, W/o Shri C. A. A. Jaffarullah,
Uthamapuram, Cumbum.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vijaya, W/o Shri T. Ashok Kumar, 350/8, Alamarathu Street, Cumbum, Madurai District.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 103/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1818, 1805/1, 1806 and 1804 situated at Cumbum, Madurai district.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cumbum (Doc. No. 1603/76), on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 88 cents in survey Nos. 1818 (1.61 acres), 1805/1 (1.81 acres), 1806 (2.17 acres) and 1804 (0.29 acre) at Cumbum, Madurai district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) 1. Smt. T. Aiysha Bi Sahiba, W/o Nattamkara Hayathi Basha,

2. Shri N. Abdulla,

3. Shri N. Sathulla Basha, No. 22, N. Ajimuddin Sahib Street, Ambur,

4. Smt. Sabira Kanam Sahiba, W/o Shri K. Altafur Rahman, No. 17, Karumbur Patel Sahib Street, Ambur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1977

Ref. No. 6/SEPT/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 80, situated at Periavarikkam village, North Arcot District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 1288/76) on September 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri A. Abdul Gafoor, 325, Patel Yacub Sahib Street, Vanlyambadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 acres and 99 cents in survey No. 80, Periavarikkam village, North Arcot district (with well and coconut trees).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-1-1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. T. Alysha Bi Sahiba, W/o Nattamkara Sayathi Basha,
 2. Shri N. Abdulla,
 3. Shri N. Sathulla Basha, No. 22, N. Ajimuddin Sahib Street, Ambur.
 4. Smt. Sabira Kanam Sahiba, W/o Shri K. Altafur Rahman, No. 17, Karumbur Patel Sahib Street, Ambur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Mumtaz Begum, W/o Shri A. Abdul Gafoor, No. 325, Patel Yacub Sahib Street, Vaniyambadi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 29th January 1977

Ref. No. 8/SEPT/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 81, situated at Periavarivakkam and 1, 2, 6 and 7, Thuthiapet village, N. A. district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 1290/76) on September 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Agricultural lands measuring 1 acre and 95 cents (with 5 HP motor pumpset) in survey No. 81, Periavarivakkam, village, North Arcot District.
 (2) Agricultural lands measuring 4 acres and 31 cents in survey Nos. 1 (1.57 acres), 2 (0.99 acres), 6 (0.96 acres), 7 (0.61 acres), and 322/4 (0.18 acres) with one well in S. No. 2 at Thuthiapet village, North Arcot district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) Janab Kaka Mohamed Zubair 990 New Street,
Vaniyambadi North Arcot Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd February 1977

Ref. No. F.5326/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Perambur Barracks Road, Purasawalkam, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Doc. No. 3135/76) on 30-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(2) M/s A. Habibur Rahman Sons No. 245 Thalayatham Bazaar Road, Gudiyatham North Arcot Dist. (Represented by its partner Mr. A. Mohamed Ashraf).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 11324 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 5, Perambur Barracks Road, Madras-12 (New S. No. 1856/17, Block No. 29, Purasawalkam).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Alamuri Narayananamurty, S/o Sitaramaswamy,
2. Smt. A. Rajyalaxmi, W/o Narayananamurty,
Gutala, Kovvur Taluk, W.G. Dt.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Polu Vanajalaxmi W/o Chinavengalareddy,
Prop. Hotel Vikram, Main Road, Rajahmundry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 28th January 1977

Ref. No. Acq. File No. 378.— Whereas, I, B. V.
SUBBARAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 6/210B C.S. No. 9-21-105 situated at Dharnikotavari
lane, Rajahmundry,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajahmundry on 2-6-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
1565/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry
during the fortnight ended on 15-6-1976.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-1-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Alamuri Narayananamurty, S/o Staramaswamy,
2. Smt. A. Rajyalaxmi, W/o Narayananamurty,
Gutala, Kovvuru Taluk, W.G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Polu China Vengala Rddi, S/o Musalayya Reddi,
Prinviham chit funds, Gunduruvari St., Rajahmundry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(3) Smt. Polu Vanajalaxmi, W/o Chinavengalareddy,
Prop. Hotel Vikram, Main Road, Rajahmundry.
(Person in occupation of the property)

Kakinada, the 28th January 1977

Ref. No. Acq. File No. 379/J. No. 366.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/210B C.S. No. 9-21-105 situated Dharanikotavari lane, Rajahmundry,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 2-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and conditions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1566/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-6-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st January 1977

Ref. No. Acq. File No. 381.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105 and 60 situated at B. Kothuru Pithapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 14-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Chennubhotla Radhakrishnamurty, S/o Ramamurty.
2. Chennubhotla Achutaramaiah, S/o Ramamurty Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

(2) Shri Sangisetti Lakshmikantam W/o Veerabhadraraao, B. Kothuru, Pithapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1313/76 registered before the sub-registrar, Pithapuram during the fortnight ended on 15-6-1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-1-1977

Seal :

FORM ITNS —

- (1) 1. Shri Chennubhotla Radhakrishnamurty S/o Ramamurty.
2. Shri Chennubhotla Achutaramaiah S/o Ramamurty Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) Shri Sangisetti Kantam W/o Suryaprakasaraao, B. Kothuru, Pithapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 31st January 1977

Ref. No. ACQ. I.II.E. No. 380.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 93 & 95 situated at B4 Kothuru Pithapuram Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pithapuram on 14-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per register document No. 1315/76 registered before the Sub-Registrar, Pithapuram during the fortnight ended on 15-6-1976.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1977

Seal :

SUBORDINATE SERVICES COMMISSION
 CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP D
 STAFF), 1977
 The 19th February 1977

NOTICE

No. 13/5/76-E.A.—The abovementioned departmental competitive examination will be held by the Subordinate Services Commission on 2nd September 1977, at Delhi and selected Indian Missions abroad for recruitment to temporary vacancies in Lower Division Grade of Central Secretariat Clerical Service, AFHQ Clerical Service, Grade VI of Indian Foreign Service (B) and for posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs. The examination is restricted to certain categories of Group D employees working in Ministries/Departments/Offices participating in above-mentioned Services who satisfy following conditions :—

- (a) *Length of Service* : Should have rendered on 1st January 1977 not less than 5 years approved and continuous service as a Group D employee or in a higher grade;

- (b) *Age* : Should be not more than 45 years of age on 1st January 1977. Upper age limit relaxable by five years for SC/ST candidates; and
 (c) *Educational Qualifications* : Must have passed Matriculation or equivalent examination.

No fee will be charged for the examination.

2. Full particulars and application forms obtainable from Subordinate Services Commission, West Block 1, R. K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if despatch of application form desired by recorded delivery system), by means of crossed (A/c Payee) Indian Postal Orders payable to Subordinate Services Commission at R. K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at sale counter in Commission's Office.

3. Completed application forms must reach the Commission by 21st April 1977 (5th May 1977 for candidates residing abroad or in Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep).

MADAN LAL, Secy.